सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 43 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 26 नवंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

संसद के संयुक्त सत्र में बोलीं राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू- हमारा संविधान एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज

नईदिल्ली। संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। यह संयुक्त सत्र संसद के सेंट्रल हॉल में आयोजित हुआ। मंगलवार को देश में संविधान लागू होने के 75 साल पूरे हो गए हैं। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने संविधान दिवस के अवसर पर विशेष स्मारक सिक्का भी जारी किया। साथ ही राष्ट्रपति ने एक विशेष डाक टिकट भी जारी किया। संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम मोदी, उपराष्ट्रपति ने संस्कृत भाषा में संविधान की प्रति का विमोचन भी किया।

संविधान दिवस पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि 'संविधान दिवस के पावन अवसर पर आप सभी के बीच आकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। आज हम सब एक ऐतिहासिक अवसर के भागीदार बन रहे हैं। 75 साल पहले संसद के इसी कक्ष में देश के संविधान के निर्माण का बहुत बड़ा काम संपन्न किया और उसी दिन इस संविधान को अपनाया गया। संविधान हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों की आधारशिला है। आज कृतज्ञ राष्ट्र की तरफ से संविधान सभा के सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। बाबा आंबेडकर ने संविधान सभा का नेतृत्व किया।'

राष्ट्रपति ने कहा कि 'भारत लोकतंत्र की जननी है। इसी भावना के साथ हम इस विशेष अवसर पर इकट्ठा हुए हैं। हमें उन अधिकारियों के अमूल्य योगदान को भी याद रखना चाहिए, जिन्होंने नेपथ्य में रहकर काम किया और देश के संवैधानिक मूल्यों को मजबूती दी। जिनमें प्रमुख भूमिका बीएन राव की थी, जो संविधान सभा के सलाहकार थे। आगामी 26 जनवरी को हम अपने गणतंत्र की 75वीं वर्षगांठ बनाएंगे। ऐसे समारोह हमारी राष्ट्रीय एकता को दर्शाते हैं। हमारी संविधान सभा में देश की विभिन्नता में एकता प्रदर्शित हुई थी। आज जिन पुस्तकों का विमोचन किया गया, उनमें लोगों को हमारे संविधान निर्माण के गौरवशाली इतिहास के बारे में पता चलेगा। हमारा संविधान कई वर्षों की मेहनत से बना, लेकिन ये हमारी आजादी की लड़ाई का परिणाम था। संविधान में भारत के आदर्शों, न्याय, स्वतंत्रता और समानता को भी परिलक्षित किया गया है।'

संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने पर राजधानी में निकली संविधान दिवस पदयात्रा

सीएम साय ने कहा- देश की संस्कृति, परंपरा और इतिहास का आईना है हमारा संविधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने पर मंगलवार को सुबह 9.30 बजे राजधानी रायपुर में संविधान दिवस पदयात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने की। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सालय के सभागार में संविधान पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के साथ किया गया। इसके बाद इसके बाद चिकित्सा महाविद्यालय से कलेक्टोरेट परिसर अम्बेडकर चौक तक पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा में सीएम साय के साथ मंत्रीमंडल के सदस्य, विधायक व बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। कलेक्टर परिसर पहुंचने के बाद सीएम साय ने बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर को भावपूर्ण नमन किया। सभी ने एक साथ संविधान अमर रहे का नारा भी लगाया।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संविधान दिवस पर आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि उपमुख्यमंत्री अरूण साव, विजय शर्मा, केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री तोखन साहू, विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, लोक सभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मूणत, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, सुनील सोनी, अनुज शर्मा, इंद्रकुमार साहू, गुरू खुशवंत साहेब के साथ छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर आदि शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भी हमारे संविधान की एक बड़ी विशेषता है कि इसमें परिवर्तनशील समय के अनुरूप आवश्यकता पड़ने पर संशोधन का भी प्रावधान है। हमारे संविधान निर्माताओं ने देश पर अपनी इच्छाओं और विचारों को लादा नहीं, बल्कि अपनी दूरदर्शिता से भावी पीढ़ी के लिए यह गुंजाइश छोड़ी कि वह अपने समय की परिस्थितियों, अपने समय के ज्ञान, अपने समय की आवश्यकताओं के अनुसार इसमें संशोधन कर सकें।

कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि हमें लोगों को संविधान प्रदत्त अधिकारों एवं हमारे मौलिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना है। संविधान सभा ने दो वर्ष 11 माह 18 दिन में संविधान का निर्माण किया। भारत का यह संविधान पूरे विश्व के लिए आदर्श है।

संविधान हमारे भारत का पवित्र ग्रंथ

संविधान दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि संविधान हमारे भारत का पवित्र ग्रंथ है। देश की संस्कृति, परंपरा और इतिहास का आईना है। हमें भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के साथ संविधान और लोकतंत्र को आगे बढ़ाना है। भारतीय संविधान के 75वीं वर्षगांठ पर आज राजधानी के मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ कर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी को सादर नमन किया। हमारी डबल इंजन सरकार, संविधान द्वारा लोगों को प्राप्त हक और स्वतंत्रता के संरक्षण के लिए संकल्पित है। आज बाबासाहेब की विरासत का प्रसार कर दुनिया को सशक्त संदेश देने का कार्य यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है। हमारा संविधान भारत की सांस्कृतिक विरासत, गौरवशाली इतिहास और परंपराओं का सजीव प्रतिबिंब है। यह हमारे सदियों पुराने संघर्ष, अनुभवों और उपलब्धियों का सार है। संविधान निर्माताओं ने इसकी रचना में भारतीय संस्कृति, जीवन मूल्यों और आदर्शों को इस तरह समाहित किया कि यह हमारी प्राचीन परंपराओं और जीवन मूल्यों को प्रस्तुत करता है।

महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने राज्यपाल को सौंपा इस्तीफा, नए सीएम पर सस्पेंस, जल्द होगा ऐलान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में बंपर जीत के बाद मंगलवार को सीएम एकनाथ शिंदे ने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा सौंप दिया। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म हो रहा है इसे देखते हुए सीएम ने इस्तीफा दे दिया है। इस दौरान उपमुख्यमंत्री अजित पवार और देवेंद्र फडणवीश उनके साथ मौजूद रहे। हालांकि, अगले सीएम के चुनाव तक एकनाथ शिंदे बतौर कार्यवाहक सीएम पद की जिम्मेदारियां संभालेंगे। वहीं नए सीएम को लेकर अभी सस्पेंस बना हुआ है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति गठबंधन ने शानदार जीत हासिल करते हुए राज्य की 288 सीटों में से 234 सीटों पर कब्जा कर लिया। इनमें से भाजपा ने सबसे ज्यादा 132, शिवसेना ने 57 और एनसीपी ने 41 सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं कांग्रेस गठबंधन महाविकास अघाडी को महाराष्ट्र की जनता ने पूरी तरह से नकार दिया। महाविकास अघाड़ी को केवल 46 सीटें मिली। इनमे से कांग्रेस पार्टी को 16, उद्धव ठाकरे की शिवसेना को 20 और शरद पवार की एनसीपी को 10 सीटें मिली। बड़ी जीत के साथ महायुति ने नए सरकार के गठन की प्रक्रिया भी तेज कर दी है।

देवेन्द्र फडणवीश बन सकते हैं सीएम

सीएम एकनाथ शिंदे के इस्तीफे के बाद नया सीएम कौन होगा इसे लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भाजपा व आरएसएस के साथ शिवसेना व एनसीपी के बीच सहमति बन गई है। महायुति में भाजपा को सीएम पद देने पर सहमति बन गई है और भाजपा की तरफसे देवेंद्र फ्डणवीस को यह जिम्मेदारी मिल सकती है। शिवसेना और एनसीपी से भी एक-एक डिप्टी सीएम होगा। यहां यह भी कहा जा रहा है कि एकनाथ शिंदे डिप्टी सीएम नहीं बनेंगे। वे किसी अन्य विधायक को डिप्टी सीएम बना सकते हैं।

जल्द हो सकता है सीएम के नाम की घोषणा

महाराष्ट्र में सीएम को लेकर सहमति बनने के बाद भी नाम के ऐलान को लेकर अभी स्पष्ट रूप से बातें सामने नहीं आ रही है। शिवसेना महाराष्ट्र में भी बिहार फॉर्मूला अपनाना चाह रही है। शिवसेना का कहना है कि बिहार में सीटे कम होने के बाद भी नीतिश कुमार को भाजपा ने सीएम की कमान सौंपी है तो महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे क्यों सीएम नहीं हो सकते। हालांकि जिस संख्या में भाजपा को सीटें मिली है उसे देख शिवसेना का एक धड़ा भी भाजपा को सीएम पद देने के पक्ष में है। फिलहाल सीएम एकनाथ शिंदे ने इस्तीफा देकर अपना काम कर दिया है वहीं दावा किया जा रहा है कि जल्द ही नए सीएम के नाम की घोषणा कर दी जाएगी।

सरायपाली धान खरीदी केंद्र में पाया गया 531 बोरा अतिरिक्त धान, जांच टीम ने किया जब्त

- **सीएम साय के निर्देश पर रखी जा रही कड़ी नजर, अनुविभागीय अधिकारी की टीम ने की कार्रवाई**

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में रिसेकेला सरायपाली के धान खरीदी केंद्र का अनुविभागीय अधिकारी (आईएएस) नम्रता चौबे के नेतृत्व में निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान यहां 531 बोरी अतिरिक्त धान की बोरियां पाई गई। संबंधित धान के बोरों को मंडी अधिनियम के तहत जब्त कर लिया गया। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार श्रीधर पंडा, फूड इंस्पेक्टर, मंडी सचिव मौजूद थे।

इसके अलावा राजस्व, खाद्य, और मंडी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा भास्करपाली खरीदी केंद्र में एक किसान द्वारा रबी फसल का 61 बोरी धान लेकर आने की सूचना पर कार्रवाई की गई। जिसे टीम ने मौके पर ही जब्त कर लिया और दस्तावेजों की जांच की, लेकिन किसान द्वारा प्रस्तुत धान संदिग्ध पाया गया। जप्त धान को संबंधित अधिकारियों के अधीन रखा गया है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि अगर जांच में अनियमितता की पुष्टि होती है, तो संबंधित किसान के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई अवैध धान व्यापार पर रोक लगाने और पारदर्शी व्यापार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार की सख्ती भविष्य में भी जारी रहेगी। प्रशासन का यह कदम मंडी अधिनियम के सख्त अनुपालन और गैरकानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए महत्वपूर्ण है। प्रशासन ने स्थानीय किसानों और व्यापारियों से अपील की है कि वे अपने धान की बिक्री के लिए नियमानुसार प्रक्रिया का पालन करें।

लिव-इन में रह रही गर्लफ्रेंड को मारकर दफनाया: 11 महीने बाद मिला कंकाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में लिव-इन-रिलेशनशिप में रह रही महिला की उसके प्रेमी ने हत्या कर दी। शव को सोनगरा जंगल में दफ्ना दिया। 11 महीने बाद इसका खुलासा हुआ है। लापता पंडो जनजाति महिला का कंकाल बरामद किया गया। घटना प्रतापपुर थाना क्षेत्र के खड़गवां चौकी की है।

बताया जा रहा है कि, अवैध संबंध के शक में प्रेमी ने उसकी हत्या की थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, महिला का पिता भी पिछले 6 महीने से लापता है।

पंडो समाज ने 3 दिन पहले एसपी से मामले में शिकायत की थी। जिसके बाद पुलिस सक्रिय हुई। जानकारी के मुताबिक, झिंगादोहर गांव निवासी सीमा पंडो (35) 21 जनवरी 2024 से लापता थी। सीमा पंडो के पिता सोहरलाल पंडो ने भी उस दौरान गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस की जांच में पता चला कि, सीमा पंडो शादीशुदा थी और उसके बच्चे भी हैं। वो पति को छोड़कर मायके में रहने लगी थी। इसके बाद आरोपी चंद्रिका राजवाड़े से उसका प्रेम संबंध हुआ। सीमा पंडो 2017 से चंद्रिका राजवाड़े के साथ लिव-इन में रह रही थी।

पुलिस ने जांच के बाद प्रेमी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने सारे राज खोल दिए। आरोपी ने बताया कि, 21 जनवरी 2024 को सीमा की हत्या कर 2 किलोमीटर दूर सोनगरा के जंगल में शव गाड़ दिया था। इसके बाद रविवार को पुलिस ने तहसीलदार की मौजूदगी में कंकाल बरामद किया। उसकी मां इंद्रमणि ने माला से उसकी पहचान की और फिर अंतिम संस्कार किया गया।

पेंड्रा में रेल हादसा : मालगाड़ी के 5 डिब्बे पटरी से उतरकर पलटे, घटनास्थल पर पहुंचे अफसर

- **गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में भनवारटंक रेलवे स्टेशन के पास की घटना**

श्रीकंचनपथ न्यूज

पेंड्रा। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया। बिलासपुर की ओर जा रही मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतरकर पलट गए। यह हादसा भनवारटंक रेलवे स्टेशन के पास हुआ है। हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। हादसे के कारण ट्रैक पर रेल यातायात प्रभावित है और अधिकारी इसे दुरुस्त करने में लगे हुए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार घटना सुबह की बताई जा रही है। तेज आवाज के साथ एक कर पांच डिब्बे पटरी से उतरकर पलट गए। सभी डिब्बों में कोयला लोड था जो बिखर गया। स्थानीय लोग आवाज सुनकर मौके पर पहुंच गए थे। हादसे की सूचना मिलने के बाद रेलवे के अफसर भी मौके पर पहुंच गए। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। रेलवे अफसरों ने राहत कार्य शुरू किया है। वहीं हादसा कैसे हुआ इसका कारण स्पष्ट नहीं है। फिलहाल रेलवे द्वारा हादसे की जांच की जा रही है।

संपादकीय

दबाव की अनदेखी नहीं

रिजर्व बैंक के अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद चालू वर्ष की दूसरी तिमाही में 6.7 फीसदी और तीसरी तिमाही में 7.6 फीसदी की दर से बढ़ेगा। हाल के सप्ताहों में अर्थशास्त्र के कुछ विद्वानों ने कहा है कि भारत में आर्थिक गतिशीलता में धीमापन आ रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ताजा मासिक बुलेटिन में प्रकाशित आलेख 'द स्टेट ऑफ इकॉनमी' (अर्थव्यवस्था की स्थिति) को हालांकि रिजर्व बैंक के नजरिये का परिचायक नहीं माना जा सकता है लेकिन इसमें कहा गया है कि दूसरी तिमाही में नजर आ रही सुस्ती अब समाप्त हो गई लगती है।

> *हालांकि तस्वीर मिली जुली है लेकिन लग रहा है कि निजी खपत एक बार फिर घरेलू मांग को गति दे रही है। रिजर्व बैंक के अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद चालू वर्ष की दूसरी तिमाही में 6.7 फीसदी और तीसरी तिमाही में 7.6 फीसदी की दर से बढ़ेगा। दूसरी तिमाही के आधिकारिक अनुमान अगले सप्ताह घोषित किए जाएंगे। बहरहाल, आलेख में एक उल्लेखनीय बात यह थी कि इसमें मुद्रास्फीति के हालात का विश्लेषण किया गया जिस पर विभिन्न मंचों पर बहस चल रही है।*

यह नजरिया फिर से जोर पकड़ रहा है कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) को नीतिगत दरों का निर्धारण करते समय खाद्य कीमतों की अनदेखी करनी चाहिए। यह मांग भी हो रही है कि नीतिगत ब्याज दरों को कम किया जाए। ऐसा करने वालों में वरिष्ठ सरकारी अधिकारी भी शामिल हैं। इस संदर्भ में यह देखना दिलचस्प होगा कि मुद्रास्फीति के वास्तविक हालात क्या हैं और रिजर्व बैंक का रुख कैसा है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति की दर अक्टूबर में 6.2 प्रतिशत रही जबकि सितंबर में यह 5.5 फीसदी थी।

उल्लेखनीय है कि सीपीआई खाद्य और सीपीआई कोर में मासिक आधार पर 2.2 और 0.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। हाल के महीनों में जहां खाद्य मुद्रास्फीति हेडलाइन दरों से संचालित रही वहीं अक्टूबर में कोर दरों में भी इजाफा हुआ। अक्टूबर में कोर मुद्रास्फीति की दर 3.8 फीसदी थी। चिंता की वजह यह है कि रिजर्व बैंक के अर्थशास्त्रियों ने ऊंची खाद्य कीमतों के दूसरे दर्जे के प्रभावों को रेखांकित किया जाता है।

इस बात के भी संकेत हैं कि कुछ क्षेत्रों में जीवन यापन की लागत का दबाव वेतन भत्तों में भी नजर आने लगा है। हेडलाइन दरों के आने वाले महीनों में कम होने की उम्मीद है। इस पर करीबी नजर रखने की आवश्यकता है। यह बात भी रेखांकित करने योग्य है कि अगर हेडलाइन या खाद्य मुद्रास्फीति की दर आने वाले महीनों में कम होती है तो इससे कीमतों में इजाफे की दर धीमी होगी और उपभोक्ता तुलनात्मक रूप से ऊंची कीमत चुकाना जारी रखेंगे। हाल के वर्षों में कीमतों में टिकाऊ वृद्धि को देखते हुए, खासतौर पर खाद्य के क्षेत्र में मूल्य वृद्धि के कारण वेतन संबंधी वार्ता प्रभावित हो सकती है।

ऐसे में केंद्रीय बैंक के लिए यह बात महत्त्वपूर्ण है कि वह मुद्रास्फीति के नतीजों को यथासंभव लक्ष्य के साथ सुसंगत बनाए और मुद्रास्फीति संबंधी अनुमानों को संभालें। वृद्धि की बात करें तो बुलेटिन में सही कहा गया है कि उच्च मुद्रास्फीति खपत मांग को प्रभावित कर रही है और कॉर्पोरेट मुनाफे और पूंजीगत व्यय पर भी असर पड़ रहा है। ऐसे में टिकाऊ उच्च वृद्धि के लिए मुद्रास्फीति को नियंत्रित रखना आवश्यक है।

खाद्य कीमतों के असर के शुरुआती संकेतों को देखते हुए दरों में समय से पहले कटौती अनुमानों को प्रभावित कर सकती है और मुद्रास्फीति का सामान्यीकरण हो सकता है। रिजर्व बैंक ने 2010 के दशक के आरंभ में खाद्य कीमतों में वृद्धि की अनदेखी करने की गलती की थी। इससे मुद्रास्फीति व्यापक हो गई। इसका दोहराव नहीं होना चाहिए।

नीतिगत दरों में कटौती की संभावना की बात करें तो चौथी तिमाही में रिजर्व बैंक के लिए आधार मुद्रास्फीति अनुमान 4.1 फीसदी है जो 4 फीसदी के लक्ष्य के करीब है। इससे अगले वर्ष दरों में कटौती की गुंजाइश बन सकती है। बहरहाल, अगर आर्थिक विकास की गति वास्तव में धीमी पड़ती है तो जैसी कि कुछ अर्थशास्त्रियों ने भी उम्मीद जताई है, तो ब्याज दरों में कटौती की मांग और बढ़ेगी। ऐसी स्थिति में एमपीसी को केंद्रित रहने की जरूरत होगी।

भारतीय प्रवासियों के लिए चिंताजनक संकेत

ऐसा लगता है कि हालिया घटनाओं की रोशनी में कनाडा और उसके साथी देशों में राय बनी है कि भारत का अंदरूनी सांप्रदायिक टकराव अब निर्यात होकर उनके यहां पहुंच रहा है, जिससे आगे चल वहां कानून-व्यवस्था की बड़ी चुनौती पैदा हो सकती है। संकेत साफ हैं। चार नवंबर को कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में हिंदू समुदाय के लोगों ने जो शक्ति प्रदर्शन किया, उसने वहां के अधिकारियों के कान खड़े कर दिए है। संभवत: इसी कारण उनका रुख सख्त हो गया है। इसकी पहली मिसाल ब्रैम्पटन के मेयर की सक्रियता में दिखी। स्पष्टत: उनकी ही पहल का परिणाम था कि गुरुद्वारों ने खालिस्तानी सिखों की तरफ हिंदू मंदिर के बाहर हुए उग्र प्रदर्शन की निंदा की। दूसरी तरफ हिंदू मंदिर प्रबंधन ने अपने मुख्य पुजारी को निलंबित किया, जिनके हेट स्पीच के वीडियो वायरल हुए थे। इसके एक ही दिन बाद खबर आई कि मंदिर प्रबंधन ने पुजारी से माफी पत्र लेकर पुजारी को बहाल कर दिया है।

उधर उसी रोज इलाके पुलिस ने एलान किया कि भीड़ को भड़काने और कथित नफरती भाषण देने के आरोप में हिंदू समुदाय के तीन नेताओं' को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने और गिरफ्तारियों की संभावना जताई है। चर्चा है कि जिन भारतीय आव्रजकों के दस्तावेज दुरुस्त नहीं होंगे, उन्हें कनाडा से वापस भी भेजा जा सकता है। ब्रिटेन के लीस्टर शहर में सितंबर 2022 में भारतीय और पाकिस्तानी मूल के बाशिंदों के बीच दंगे हुए थे। ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के कुछ शहरों में हिंदू-सिख तनाव और झड़पों की खबरें रही हैं।

ऐसा लगता है कि इन तमाम घटनाओं की रोशनी में इन देशों में राय बनी है कि भारत का अंदरूनी सांप्रदायिक टकराव अब निर्यात होकर उनके यहां पहुंच रहा है, जिससे आगे चल वहां कानून-व्यवस्था की बड़ी चुनौती पैदा हो सकती है। गौरतलब है कि कनाडा की कार्रवाइयों को इन तमाम देशों का समर्थन हासिल है। उन देशों में बड़ी संख्या में रहने वाले भारतीय प्रवासियों के लिए यह चिंताजनक संकेत है। उनकी प्रतिष्ठा के लिए बड़ा जोखिम पैदा हो रहा है। भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता इस स्थिति को सुधारना होनी चाहिए। मगर नरेंद्र मोदी सरकार की प्राथमिकता देश के अंदर अपनी मर्दाना छवि को पुख्ता करने की बनी हुई है। इस कारण खासकर कनाडा से संवाद करने और दोनों समुदायों के बीच मेलमिलाप के लिए उनकी तरफ से पहल की संभावना न्यूनतम ही है।

(आरएनएस)

नजरिया

देश के लिए चुनौती बने सड़क हादसे

यूं तो अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने वाली सड़कें देश के विकास में अहम भूमिका निभा रही हैं, लेकिन आए दिन होने वाले सड़क हादसे कई सवालिया निशान भी खड़े कर रहे हैं। सड़क हादसे भारत जैसे विकासशील देश के लिए चुनौती बने हुए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पिछले साल वैश्विक सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान एक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिसके अनुसार वैश्विक स्तर पर सड़क दुर्घटनाओं में प्रति वर्ष 1.35 मिलियन से अधिक मौतें होती हैं, और 50 मिलियन से अधिक लोगों को गंभीर शारीरिक चोटें आती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, विश्व में सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली कुल मौतों में से 11 प्रतिशत भारत में होती हैं।

अमित बैजनाथ गर्ग

सड़क दुर्घटनाओं के कारण भारत को होने वाले नुकसान को लेकर विश्व बैंक के आकलन के अनुसार, 18-45 आयु वर्ग के लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर सर्वाधिक 69 प्रतिशत है। इसके अलावा 54 प्रतिशत मौतें और गंभीर चोटें मुख्य रूप से संवेदनशील वगरे जैसे पैदल यात्री, साइकिल चालक और दोपहिया वाहन सवार आदि में देखी जाती हैं। भारत में 5-29 वर्ष आयु-वर्ग के बच्चों और युवा वयस्कों में सड़क दुर्घटना मृत्यु का सबसे बड़ा कारण है। विश्व सड़क सांख्यिकी के अनुसार, 2018 में सड़क दुर्घटना से होने वाली मौतों की संख्या में भारत दुनिया में पहले स्थान पर था। इसके बाद चीन और अमेरिका का नंबर आता है।

केंद्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, देश भर में होने वाली कुल सड़क दुर्घटनाओं में से 76 प्रतिशत दुर्घटनाएं ओवरस्पीडिंग और गलत साइड पर गाड़ी चलाने जैसे यातायात नियमों के उल्लंघन के कारण होती हैं। कुल सड़क दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहनों और पैदल चलने वालों की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसके बावजूद सड़क यातायात इंजीनियरिंग और नियोजन के दौरान इस विषय पर ध्यान नहीं दिया जाता। यातायात इंजीनियरिंग और नियोजन सड़कों को विस्तृत करने तक ही सीमित है, जिसके कारण कई बार सड़कों और राजमागरे पर ब्लैक स्पॉट बन जाते हैं। ब्लैक स्पॉट वे स्थान होते हैं, जहां सड़क दुर्घटना की आशंका सबसे अधिक रहती है। सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली 80 प्रतिशत मौतों के लिए वाहन चालक प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार होते हैं। यह तथ्य देश में अच्छे ड्राइविंग स्कूलों की कमी की ओर भी इशारा करता है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की भारत में सड़क दुर्घटनाएं' शीषर्क वाली रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2022 में सड़क दुर्घटना में लगभग 68 प्रतिशत मौतें ग्रामीण क्षेत्रों में हुई, जबकि कुल दुर्घटना मौतों में शहरी क्षेत्रों का योगदान 32 फीसद रहा। दुर्घटनाओं और मृत्यु दर, दोनों में दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी सर्वाधिक रही।

यूं तो सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए केंद्र सरकार अपने स्तर पर काफी प्रयास कर रही है, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पा रहे हैं। सड़क सुरक्षा के बारे में प्रभावी जन जागरु कता बढ़ाने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से मीडिया के सभी माध्यमों द्वारा विभिन्न प्रचार उपाय एवं जागरु कता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा मंत्रालय सड़क सुरक्षा समर्थन के संचालन के लिए विभिन्न एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए भी योजना का संचालन कर रहा है। इंजीनियरिंग योजना स्तर पर सड़क सुरक्षा को सड़क डिजाइन का एक अभिन्न अंग बनाया गया है। सभी राजमार्ग परियोजनाओं का सभी चरणों में सड़क सुरक्षा ऑडिट अनिवार्यकिया गया है। इसके साथ ही मंत्रालय ने वाहन की अगली सीट पर ड्राइवर की बगल में बैठे यात्री के लिए एयरबैग के अनिवार्यप्रावधान को लागू किया है। इसके साथ ही कानूनों और प्रवर्तन में सुधार, ढांचागत परिवर्तनों के माध्यम से सड़कों को सुरक्षित बनाना और सभी वाहनों में जीवनरक्षक तकनीक उपलब्ध कराना जरूरी किया जाना चाहिए।

असल में सड़क हादसों में कमी लाने के लिए जरूरी है कि लोगों के व्यवहार में परिवर्तन का प्रयास किया जाए। हेलमेट और सीट बेल्ट के प्रयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है, क्योंकि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं इन्हीं कारणों से होती हैं। लोगों को शराब पीकर गाड़ी न चलाने के प्रति जागरूक करना होगा। वहीं दुर्घटना के बाद तत्काल प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराना और पीड़ति को जल्द अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था करने से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। दुर्घटना के बाद आस-पास खड़े लोग घायल की जान बचाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। सड़कों की योजना, डिजाइन और संचालन के दौरान सुरक्षा पर ध्यान देना सड़क दुर्घटनाओं में मौतों को कम करने में प्रभावी योगदान दे सकता है। जब तक इन सुझावों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक सड़क दुर्घटनाओं को कम करना संभव नहीं होगा। जरूरी है कि सड़क सुरक्षा से संबंधित सभी पहलुओं पर विचार करते हुए आवश्यक उपायों की खोज की जाए।

(ये लेखक के विचार हैं)

दूध की पोषकता का पर्याय है

डॉ. शंकर सुवन सिंह असिस्टेंट प्रोफेसर

दूध एक संपूर्ण आहार है जो स्वस्थ दुधारू पशुओं के लैक्टियल स्राव से प्राप्त होता है। दुधारू पशुओं के ब्याने से 15 दिन पहले और ब्याने के 5 दिन बाद ही दूध का उपयोग होता है। दूध को अन्य नामों से भी जाना जाता है जैसे दुग्ध, गोरस, क्षीर, दोहज, पय, पीयूष, स्तन्य आदि। पोषण आहार-तत्व सम्बन्धी विज्ञान है। इसके अंतर्गत आहार तत्वों द्वारा मनुष्य के शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन एवं विश्लेषण किया जाता है। दूसरे शब्दों में शरीर आहार सम्बन्धी सभी प्रक्रियाओं का नाम ही पोषण है। पोषण का सम्बन्ध भोजन व उस भोजन के सामाजिक, आर्थिक व मनोवैज्ञानिक प्रभावों से भी है। आहार और स्वास्थ्य का घनिष्ठ सम्बन्ध है। भोजन के वे सभी तत्व जो शरीर में आवश्यक कार्य करते हैं, उन्हें पोषण तत्व कहते हैं। यदि ये पोषण तत्व हमारे भोजन में उचित मात्रा में विद्यमान न हों, तो शरीर अस्वस्थ हो जाएगा। कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज-लवण व पानी प्रमुख पोषण तत्व हैं। हमारे भोजन में कुछ ऐसे तत्व भी होते हैं, जो पोषण तत्व नहीं होते जैसे रंग व खुशबू देने वाले रासायनिक पदार्थ। ये आवश्यक तत्व जब (सही अनुपात में) हमारे शरीर की आवश्यकता अनुसार उपस्थित होते हैं, तब उस अवस्था को सर्वोत्तम पोषण या समुचित पोषण की संज्ञा दी जाती है। यह सर्वोत्तम पोषण स्वस्थ शरीर के लिए नितान्त आवश्यक है।

कुपोषण उस स्थिति का नाम है जिसमें पोषक तत्व शरीर में सही अनुपात में विद्यमान नहीं होते हैं अथवा उनके बीच में असंतुलन होता है। अत: हम कह सकते हैं कि कुपोषण अधिक पोषण व कम पोषण दोनों को कहते हैं। कम पोषण का अर्थ है किसी एक या एक से अधिक पोषण तत्वों का आहार में कमी होना। उदाहरण- विटामिन ए की कमी या प्रोटीन की कमी आदि। अधिक पोषण से अर्थ है एक या अधिक पोषक तत्वों की भोजन में अधिकता होना। उदाहरण, जब व्यक्ति एक दिन में ऊर्जा खपत से अधिक ऊर्जा ग्रहण करता है, तो वह वसा के रूप में शरीर में एकत्रित हो जाती है और उससे व्यक्ति मोटापे का शिकार हो जाता है। दूध एक ऐसा आहार है जिसमे सभी पोषक तत्व संतुलित मात्रा में पाए जाते हैं। पोषण की दृष्टि से दूध हमारे लिए उपलब्ध सबसे बढ़िया भोजन है।

शरीर को अपने भोजन की आपूर्ति में तीस से अधिक अलग-अलग पदार्थों की आवश्यकता होती है। कोई भी एक खाद्य पदार्थ उन सभी की आपूर्ति नहीं करता है, लेकिन दूध लगभग सभी की आपूर्ति करता है। दूध ऊर्जा युक्त आहार है। दूध शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है। दूध में एमिनो एसिड एवं फैटी एसिड मौजूद होते हैं। दूध संपूर्ण आहार है। दूध के बिना जीवन अधूरा है। दूध एक अपारदर्शी सफेद द्रव है जो मादाओं के दुग्ध ग्रन्थियों द्वारा बनाया जाता है। नवजात शिशु तब तक दूध पर निर्भर रहता है जब तक वह अन्य पदार्थों का सेवन करने

में अक्षम होता है। दूध में मौजूद संघटक हैं- पानी, ठोस पदार्थ, वसा, लैक्टोज, प्रोटीन, खनिज वसा विहिन ठोस। अगर हम दूध में मौजूद पानी की बात करें तो सबसे ज्यादा पानी गधी के दूध में 91.5 फीसदी होता है, घोड़ी में 90.1फीसदी, मनुष्य में 87.4 फीसदी, गाय में 87.2 फीसदी, ऊंटनी में 86.5 फीसदी, बकरी में 86.9 फीसदी होता है। भैंस के दूध में पानी की मात्रा 82-83 फीसदी होती है। भैंस के दूध में गाय के दूध की तुलना में ज़्यादा फैट और प्रोटीन होता है। दूध में कैल्शियम, मैग्नीशियम, ज़िंक, फास्फोरस, आयोडीन, आयरन, पोटैशियम, फोलेट्स, विटामिन- ए, विटामिन- डी, राइबोफ्लेविन, विटामिन बी-12, प्रोटीन आदि मौजूद होते हैं। गाय के दूध में प्रति ग्राम 3.14 मिली ग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है। गाय का दूध पतला होता है। जो शरीर मे आसानी से पच जाता है। एक भी खाद्य पदार्थ सभी की आपूर्ति नहीं करता है, लेकिन दूध लगभग सभी की आपूर्ति करता है।

आयुर्वेद के अनुसार गाय के ताजा दूध को ही उत्तम माना जाता है। पुराणों में दूध की तुलना अमृत से की गई हैं, जो शरीर को स्वस्थ मजबूत बनाने के साथ-साथ कई सारी बीमारियों से बचाता है। गाय का दूध आंतरिक पित्त-संबंधी समस्याओं जैसे की सीने में जलन, अल्सर और त्वचा पर चकत्ते को कम करने में मदद करता है। भैंस के दूध के बजाय गाय के दूध का सेवन करने को ज्यादातर कहा जाता है क्योंकि आयुर्वेद में भैंस के दूध को गर्म तासीर का माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार , वयस्कों को रात को सोने से पहले दूध पीना सबसे अच्छा बताया गया है। जबकि बच्चों को सुबह ही दूध पी लेना चाहिए। रात को सोने से पहले दूध पीने वाले व्यक्ति का ओजस बढ़ता है। पूर्ण या उचित पाचन की अवस्था ओजस कहलाती है। भैंस के दूध में गाय के दूध की तुलना में ज्यादा वसा (फैट) पाया जाता है।

इसके अलावा, भैंस का दूध कैल्शियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्वों का भी एक अच्छा स्रोत है। वहीं, गाय का दूध विटामिन का एकअच्छा स्रोत है। गाय का दूध मेलाटोनिन का समृद्ध स्रोत है। मस्तिष्क में स्थित पीनियल ग्रंथि एक छोटी अंत:स्रावी ग्रंथि है जो मेलाटोनिन हार्मोन को स्रावित करती है। यही मेलाटोनिन हार्मोन नीद को बढ़ावा देने में सहायक होता है। वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर सर्दियों के दौरान, कुल दैनिक दूध में मेलाटोनिन की सांद्रता, औसतन, गर्मियों की तुलना में 74.7 फीसदी अधिक होती है। अतएव सर्दियों में दूध का पीना और ज्यादा फायदेमंद है। दूध में ट्रिप्टोफैन नामक एमिनो एसिड पाया जाता है। सेरोटोनिन और मेलाटोनिन के उत्पादन में ट्रिप्टोफैन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सेरोटोनिन एक न्यूरोट्रांसमीटर है जो मनोदशा (मूड), संज्ञानात्मक तर्क और स्मृति को प्रभावित करता है। खाद्य पदार्थों में पाए जाने वाला ट्रिप्टोफैन बुजुर्गों में नींद और मनोदशा को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध हुआ है। दिन में दुही गई गायों की अपेक्षा रात्रि में दुही गई गायों से एकत्रित किया गया दूध ट्रिप्टोफैन के अलावा इसमें मेलाटोनिन की भी भरपूर मात्रा होती है। वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर गाय के रात के दूध में मेलाटोनिन की औसत सांद्रता 14.87 पिकोग्राम/मिलीलीटर होती है, जबकि कुल दैनिक दूध में यह 6.98 पिकोग्राम/मिलीलीटर मापी गई। दूध पीने से अवसाद और तनाव दूर रहता है। अतएव हम कह सकते हैं कि मेलाटोनिन, दूध की पोषकता का पर्याय है।

(ये लेखक के विचार हैं)

जरूरी चीजें तीन गुना महंगी

कोरोना महामारी के बाद से गणना की जाए, तो तमाम जरूरी चीजें दो से तीन गुना तक महंगी हो चुकी हैं। कितने लोगों की आमदनी इसी अनुपात में बढ़ी है? मुश्किल से ऐसे 20 फीसदी लोग होंगे। मतलब, 80 प्रतिशत आबादी का जीवन स्तर गिरा है।

पहले आसान भाषा में गौर करें। सितंबर में मुद्रास्फीति दर 5.5 प्रतिशत थी। यानी जो वस्तु अगस्त में 100 रुपये की थी, वह सितंबर खत्म होते-होते 105.50 रुपये की हो गई। अक्टूबर में कीमतों में औसत वृद्धि 6.2 फीसदी की हुई। यानी वही वस्तु लगभग 112 रुपये की हो गई है। इस खाद्य महंगाई की दर लगभग पौने दो गुना रही है। कोरोना महामारी के बाद से गणना की जाए, तो ये तमाम चीजें दो से तीन गुना तक महंगी हो चुकी हैं। भारत में कितने लोग ऐसे हैं, जिनकी आमदनी इसी अनुपात में बढ़ी हो? मुश्किल से ऐसे 20 फीसदी लोग होंगे। मतलब, 80 प्रतिशत आबादी का जीवन स्तर इस दौर में गिरा है। जो तबके पांच किलोग्राम मुफ्त अनाज और प्रत्यक्ष नकदी हस्तांतरण योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं, उनके मामले में यह मार अवश्य कुछ कम होगी।

इसलिए उन रिपोर्टों को आसानी से समझा जा सकता है, जिनके मुताबिक ग्रामीण इलाकों में उपभोग अपेक्षाकृत बढ़ा है, जबकि शहरी इलाकों में गिरावट आई है। इसीलिए गांवों में उपभोग में अपेक्षाकृत वृद्धि भी जीवन स्तर संवरने का सूचक नहीं है। सार यह कि सीमित तबकों को छोड़ कर बाकी विशाल आबादी की जिंदगी लगातार ऊंची चल रही महंगाई दर से मुहाल है। क्या यह हैरतअंगेज नहीं कि यह देश का सर्व-प्रमुख राजनीतिक मुद्दा नहीं है? आज कोई सरकार से नहीं पूछता कि उसके मूल्य स्थिरीकरण कोष से क्या हासिल हुआ? चालू वित्त वर्ष के बजट में उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के तहत चलने वाले इस कोष के लिए 10 हजार करोड़ रुपये आवंटित हुए थे।

गठन के समय इसका मकसद आवश्यक वस्तुओं के मूल्य पर निगरानी रखना और कीमतों में औचक बढ़ोतरी की स्थिति में दखल देना बताया गया था। अमेरिका से यूरोप तक महंगाई के मुद्दे पर पिछले दो वर्षों में लगातार सरकारें बदली हैं। लेकिन भारतीय राजनीति पर प्रभु वर्ग का शिकंजा इतना कस चुका है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष- दोनों के लिए यह मुद्दा ही नहीं है। जज्बाती सवालों में उलझे इन दोनों पक्षों ने लोगों को महंगाई की चक्की पिसने के लिए छोड़ रखा है।

(आरएनएस)

कोठारी ज्वेलर्स
सोने-चांदी के आभूषणों के विक्रेता एवं निर्माता
जवाहर चौक, दुर्ग 491001
0788-2249990
94252-42323 नितिन
98261-29990 पवन
93029- 29990

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reastaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

कांतिलाल ज्वेलर्स
सोने, चांदी एवं गोल्ड जेवरों के निर्माता एवं विक्रेता
सदर बाजार, दुर्ग, 0788-2210274, 4038274
40 आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, फोन: 4060274
Kantilal_jewel@yahoo.com

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरूम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

Surana Jewellers
Certified Gems
Mo. 9303452485
Jawahar Chowk, Durg

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

विशाल ज्वेलर्स
आभूषण लेना तो हॉलमार्क लेना
नया सराफा, जवाहर चौक, दुर्ग
मो.-9827906406

रमन आई. टी. आई.
Affiliated By N.C.V.T. & D.G.T. R.N.-6/35/4/2016
बाबा दीप सिंह नगर, वैशाली नगर, भिलाई
कोपा
कम्प्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट
पाठ्यक्रम अवधि -1 वर्ष
TALLY & GST FREE
100% JOB ORIENTED
स्टेनो हिन्दी
पाठ्यक्रम अवधि -1 वर्ष
TALLY & GST FREE
ADMISSION OPEN
7773027492, 7389471941
शासन द्वारा छात्रवृत्ति

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

28 लाख की लागत से ट्रांसफार्मर में लगेगा नया पैनल

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत सोमवार को महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा कमिश्नर सुमित अग्रवाल ,जलकार्य प्रभारी संजय कोहले की मौजूदगी में 42 एमएलडी के निकट सबस्टेशन के लिए भूमिपूजन किया। बता दे कि 42 एमएलडी फिल्टर प्लांट में पूर्व से स्थापित ट्रांसफार्मर के पैनल जो इनडोर स्थापित हैं, उनमें समय- समय पर नमी आने के कारण आने वाली समस्याओं से मुक्त किए जाने हेतु पैनल को आउटडोर किया जाना है। जिससे पैनल में होने वाली खराबी को नियंत्रित किया जावेगा जिससे जलप्रदाय में होने वाली समस्या का निराकरण जल्दी किया सकेगा।42 एमएलडी फिल्टर प्लांट में किया जाने वाला कार्य कुल लागत 28.5 लाख से लगेगा ट्रांसफार्मर में नया पैनल। कार्य को महापौर धीरज बाकलीवाल ने जल्द दिसंबर माह के अंत तक पूर्ण के निर्देश अधिकारियों को दिये। ट्रांसफार्मर के पैनल में नमी के कारण 42 एमएलडी फिल्टर प्लांट से सप्लाई होने वाले जल प्रदाय वाले वार्डो में समस्या बनी रहती थी। ट्रांसफार्मर में नया पैनल लग जाने से इन वार्डो को मिलेगा लाभ जिसमे बोरसी, पोटिया,पुलगांव,बघेरा, सिकोला और गंजपारा क्षेत्र में जलप्रदाय होने वाले समस्याओं का निराकरण त्वरित किया जा सकता है। यह कार्य पीएचई विभाग से हस्तांतरित पश्चात पहली बार किया जा रहा है जो कि अपने आप में महत्वपूर्ण कार्य है।

दावा आपत्ति 2 दिसम्बर तक आमंत्रित

दुर्ग। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-2 द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र गांधीनगर क्रमांक 03, भिलाई 03, वार्ड-15 में रिक्त आंगनबाड़ी सहायिका के पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-2 से प्राप्त जानकारी अनुसार अंतिम तिथि उपरांत प्राप्त आवेदनों की स्कूटनी कर निर्धारित मापदण्ड के आधार पर अनुमोदित अंतरिम मूल्यांकन पत्रक कार्यालय परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-2 एवं नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा के कार्यालय परिसर में चस्पा कर दी गई है। उक्त अंतरिम मूल्यांकन पत्रक में वरियता/प्राथमिकता के संबंध में किसी आवेदिका को दावा-आपत्ति हो तो 02 दिसम्बर 2024 तक कार्यालय परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-2 में कार्यालयीन समय में दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जाएगा।

विभागीय परीक्षा का आयोजन 25 जनवरी से 3 फरवरी तक

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 25 जनवरी 2025 से 03 फरवरी 2025 तक विभागीय परीक्षा का आयोजन किया गया है। उक्त विभागीय परीक्षा में बैठने हेतु जिले के विभाग/कार्यालय के इच्छुक अधिकारियों से प्रपत्र में आवेदन प्राप्त कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ 13 दिसंबर 2024 के पूर्व कार्यालय कलेक्टर दुर्ग में भेजने हेतु कहा गया है।

मैत्री बाग में मनाया गया 39 वां कब-बुलबुल उत्सव

कब-बुलबुल गतिविधियां बच्चों में शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को देती हैं गति : शिखा दुबे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग एवं भारत स्काउट गाइड ज़िला संघ भिलाई के तत्वावधान में सोमवार को मैत्री बाग के मोमबत्ती गार्डन में 39 वां कब-बुलबुल उत्सव मनाया गया। 39 वें कब-बुलबुल उत्सव के समापन सामारोह के मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक पवन कुमार तथा विशिष्ट अतिथि मुख्य महाप्रबन्धक उत्पल दत्ता थे। कब-बुलबुल उत्सव में अलग अलग स्कूलों से पहुंचे स्काउट गाइड्स द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया गया। उत्सव में सम्मिलित सभी शालाओं में से, इंग्लिश मीडियम मिडिल स्कूल सेक्टर-6 विजेता रहा और इंग्लिश मीडियम मिडिल स्कूल सेक्टर 1 उपविजेता रहा।

39 वें कब-बुलबुल उत्सव का उद्घाटन महाप्रबंधक (शिक्षा विभाग, बीएसपी) एवं मुख्य जिला आयुक्त (भिलाई) शिखा दुबे द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में शिखा दुबे ने कहा कि, कब-बुलबुल गतिविधियां बच्चों में शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को गति प्रदान करती है। यह छोटी उम्र से अनुशासन एवं जिम्मेदारियों के मूल्यों को विकसित करता है और छात्रों को जीवन में किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति का सामना करना सिखाता है। उन्होंने कब-बुलबुल उत्सव के दौरान आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिताओं हेतु उपस्थित जनों को शुभकामनाएँ दी। स्वागत भाषण में बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 की प्राचार्या सुमिता सरकार ने कार्यक्रम का विस्तृत विवरण दिया तथा 39 वें कब-बुलबुल उत्सव में उपस्थित शालाओं एवं नन्हे प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कब-बुलबुल उत्सव में विविधता से भरे रंगारंग कार्यक्रमों में बीएसपी के सात अलग-अलग शालाओं के लगभग 280 कब-बुलबुल ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण एवं झंडा गीत के साथ हुआ, जिसके बाद ईश प्रार्थना हुई।

प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

प्रति वर्ष के अनुरूप इस वर्ष भी कब बुलबुल उत्सव-2024 में ग्यारह अलग-अलग प्रतियोगिताओं को आयोजित कर बच्चों में निहित प्रतिभाओं का मूल्यांकन किया गया। सामूहिक नृत्य में कब-बुलबुल द्वारा में प्रकृति, पशु-पक्षियों, परियों की वेशभूषा एवं मुखौटे आदि का प्रयोग करते हुए संगीतमय नृत्य की प्रस्तुती दी गई। जिसमें औद्योगिकीकरण के कारण गौरैया पक्षी के उपर पड़ने वाले प्रभाव, मोर के संरक्षण की सामाजिक जागरूकता, छत्तीसगढ़ के लोक नृत्य के साथ उनमें संस्कृति,पर्यावरण व देश के उत्थान की झलक, भारत के विभिन्न प्रांतों की लोक नृत्य के फ्यूज़न जिसमें देश की उन्नति की भी झलक देखने को मिली। साथ ही जंगल और ज़मीन के लिए गोंड और हलबा आदिवासियों के अंग्रेजों के ख़िलाफ़ संघर्ष को लोक नृत्य के रूप में प्रस्तुत किया गया।

नारी सशक्तिकरण पर जोशीले नृत्य की प्रस्तुति

झांसी की रानी पर आधारित नारी सशक्तिकरण व भारत की वीर नारियों की झलक दिखाते हुए जोशीला नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। उक्त सभी प्रतियोगिताओं के परीक्षण हेतु जिला शिक्षा अधिकारी, दुर्ग द्वारा मनोनीत 6 शासकीय विद्यालयों में कार्यरत कब-बुलबुल के विशेषज्ञों ने पूरे कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका निभाई। प्रस्तुतिकरण की स्पष्टता, गणवेश, समय, कौशल आदि के मानदंण्ड के अनुरूप उत्कृष्ट विजेताओं का चयन किया गया। इस समारोह में महाप्रबन्धक (उद्यानिकी) नवीन जैन भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह स्थल पर स्कार्फ पहना कर अतिथियों का स्वागत किया गया। उन्होंने विभिन्न शालाओं द्वारा सज्जित बुलबल-ट्री का निरीक्षण किया। अतिथियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

चीफ गेस्ट ने की कब-बुलबुल द्वारा किये गये प्रयासों की सराहना

इस अवसर पर मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने अपने उद्बोधन में कब-बुलबुल द्वारा किये गये प्रयासों की सराहना की। वे छात्रों के प्रयासों से अभिभूत हुए। उन्होंने इन नन्हे कब-बुलबुल से बातचीत की और उन्हें पर्यावरण संरक्षण, प्रेम भाव, पशु-पक्षी का संरक्षण करते हुए भविष्य में एक अच्छे नागरिक बनने कर लिये प्रेरित किया। उन्होंने यहाँ से सीखी हुई कब-बुलबुल की सभी शिक्षा को जीवन में आत्मसात करने के लिये प्रेरित किया। महाप्रबंधक श्रीमती शिखा दुबे ने मुख्य अतिथि के स्वागत के साथ कब-बुलबुल का परिचय तथा बीएसपी शिक्षा विभाग की शालाओं में इससे सम्बंधित कार्यों का विवरण दिया। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित जनों ने नन्हे कब-बुलबुल द्वारा प्रस्तुत समूह नृत्य व विविध वेशभूषा जैसी रंगारंग प्रस्तुतियों का आनंद लिया। नन्हे कब-बुलबुल ने मुख्य अतिथि के समक्ष भी प्रस्तुतीकरण किया गया। जिसने आयोजकों, निर्णायकों एवं दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ध्वजावतरण के साथ सामारोह का समापन किया गया। समापन समारोह का संचालन कनिष्ठ प्रबंधक मनीष तिवारी एवं शिक्षक शीतल चंद्र शर्मा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या रूबी बर्मन राय ने किया।

बार एवं राड मिल में सुरक्षा घर से घर तक कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के बार एवं रॉड मिल द्वारा एक अनूठी एवं अभिनव, सुरक्षा पहल घर से घर तक कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया है। इसी क्रम में 23 नवंबर, 2024 को बार एवं राड मिल के ठेका श्रमिकों के परिवार के उत्साहवर्धन एवं जागरूकता बढ़ाने हेतु घर से घर तक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत विभाग ने सुरक्षा पर संवाद हेतु 125 ठेका श्रमिकों को उनके परिवार के सदस्यों के साथ मानव संसाधन विकास केंद्र में आमंत्रित किया।

घर से घर तक, पहल का उद्देश्य ठेका श्रमिकों को कार्यस्थल पर जोखिमों और खतरों के प्रति संवेदनशील बनाना है। बी.आर.एम अपने कर्मियों की सुरक्षा हेतु अनेक पहल कर रहा है और अपने सभी कार्मिकों को काम करने के सुरक्षित तरीके अपनाने के लिए, संवाद करने एवं प्रोत्साहित करने के नए तरीके अपना रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विभागाध्यक्ष एवं मुख्यमहाप्रबंधक योगेश शास्त्री ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में इस्पात उद्योग में कार्य की प्रकृति और सुरक्षा के महत्व के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य बी.आर.एम में दिन-प्रतिदिन के काम में सुरक्षा के महत्व पर जोर देना और परिवारों को सुरक्षा उत्कृष्टता की यात्रा में शामिल करना है। उन्होंने इस्पातकर्मी के जीवन को सुरक्षित, निश्चिंत एवं सहज बनाने मे उनके जीवनसाथी की प्रेरणादायी एवं सहभागिता की भूमिका को रेखांकित किया। श्री शास्त्री ने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ठेका श्रमिकों की भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सभी ठेका श्रमिकों को कवर किए जाने तक ऐसे और सत्र आयोजित किए जाएंगे।

इस अवसर पर उपस्थित महाप्रबंधक सच्चिदानंद त्रिपाठी, महाप्रबंधक आशीष, महाप्रबंधक शाश्वत मोहंती और वरिष्ठ प्रबंधक अजय कुमार ने भी सत्र को संबोधित किया और घर और कार्यस्थल पर तथा आने-जाने के दौरान सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान ठेका श्रमिकों तथा उनके परिवार के सदस्यों ने आत्मविश्वास और स्पष्टता से अपनी बात रखी। सत्र की अध्यक्षता करते हुए श्री योगेश शास्त्री ने उन्हें सुरक्षित रूप से कार्य संचालन हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। बी.आर.एम की जूली तथा कविता द्वारा फोटोग्राफ में चित्रित असुरक्षित स्थितियों और कृत्यों की पहचान पर एक सुरक्षा प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया, जिसमें ठेका श्रमिकों व उनके परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सुरक्षा प्रश्नोत्तरी के दौरान बीआरएम के विभागीय सुरक्षा अधिकारी शकील अहमद ने कार्यस्थल पर जोखिमों और खतरों की बारे में विस्तार से जानकारी दी और सुरक्षा नियमों के उल्लंघनों के प्रति सचेत किया। कार्यक्रम के समापन के पष्चात बीआरएम विभाग के सभी ठेका श्रमिकों हेतु रात्रि भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्रीमती दिनेश्वरी, सुखवंती, झामिन, तोमेश्वरी, प्रीति, जिग्नेश, ममता, विद्या ,पल्लवी आदि को सुरक्षा प्रश्नोत्तरी में भाग लेने के लिए आकर्षक पुरस्कार दिए गए। बी.आर.एम के वरिष्ठ प्रबंधक सुनील कुमार सोनी ने कार्यक्रम का संचालन किया और अंत में कार्यपालक निदेशक को उनके मार्गदर्शन तथा एचआरडीसी विभाग को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

स्वच्छ भारत अभियान जन-जन तक पहुंचाने के लिए संगोष्ठी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में सफ ाई व्यवस्था में जन-जन की भागीदारी बढ़ाने के लिए संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, स्वच्छता ब्रान्ड अम्बेसडर बल्क वेस्ट जनरेटर, एन.डी.आर.एफ एवं सामाजिक कार्यकताओ की उपस्थिति में बैठक आयोजित हुई। प्रमुखता के साथ नागरिको के स्वच्छता के प्रति उनके दैनिक व्यवहार में कैसे परिवर्तन लाया जाए और आए हुए प्रबुद्वजनो द्वारा अपने विचार रखे गये।

प्रमुख सुझाव में स्वच्छ सर्वेक्षण के अंतर्गत गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग प्रदान करने हेतु नागरिको को प्रेरित करना। इसके लिए व्यापक स्तर पर शोसल मीडिया का उपयोग करना। अच्छे कार्य करने वाला का सम्मान करना, व्यावसायिक क्षेत्र में सिंगल युज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के संबंध में जन जागरूकता हेतु मुनादी करना। जो व्यापारी नहीं मानते है उनसे अर्थदण्ड वसूलने की कार्यवाही करना। घर से मिक्स गीला एवं सूखा कचरा एक में देने वाले परिवारो को निगम के एस.एल.आर.एम. सेंटर में ले जाकर दिखाना। जिससे उन्हे ज्ञात हो सके कि गीला एवं सूखा कचरा एक में न देने से कितनी परेशानी होती है, छाटते समय।

प्रत्येक स्कूल में विद्यार्थियो को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना एवं प्रत्येक सप्ताह स्वच्छता संबंधी गतिविधियो से उनको जोड़ना। आम नागरिको में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने हेतु वार्ड के जनप्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाना। ब्रान्ड अम्बेसडर की मदद से स्वच्छता के प्रति आम नागरिको के व्यवहार में परिवर्तन लाने हेतु जागरूता संबंधी विभिन्न गतिविधियां लाना। समस्त वार्डो में लोगो को प्रोत्साहित कर होम कम्पोस्टिंग का कार्य कराया जाना। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण में लगे वाहनो में स्वच्छ भारत मिशन संबंधी जिंगल बजाकर लोगो में प्रचार-प्रसार करना आदि बिन्दुओ पर सुझाव दिया गया। अंत में सब लोग मिलकर स्वच्छता शपथ लिए।

पुत्री की इलाज, आर्थिक सहायता के लिए जनदर्शन में लगाई गुहार

सड़क सकरा होने के कारण आये दिन होती है दुर्घटनाएं, सड़क किनारे नाली को चेम्बर से ढकने दिया आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने जनदर्शन में पहुंचे लोगां से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा भी जनदर्शन में मौजूद थे। जनदर्शन में आज 112 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्राम पंचायत बोड़ेगांव दुर्ग निवासी ने बोड़ेगांव में निर्मित नाली को चेम्बर से ढकने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि बोड़ेगांव से बानबरद पहुंच मार्ग घनी आबादी से होकर गुजरता है, सड़क के किनारे दो से ढाई फीट चौड़ी नाली का निर्माण किया गया है। सड़क से गांव के मवेशियों को चरवाहे द्वारा लाना ले जाना पड़ता है। सड़क सकरा होने के कारण आये दिन गाय व भैंस नाली में गिर जाते हैं एवं वाहनों से भी दुर्घटना होती रहती है। नाली को चेम्बर से ढकने से होने वाले दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। इस पर कलेक्टर ने सीईओ जिला पंचायत को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

राजीव गांधी नगर रायपुर नाका दुर्ग निवासी ने 6 वर्षीय पुत्री के इलाज हेतु आर्थिक सहायता राशि की मांग की। उन्होंने बताया कि पति-पत्नी मजदूरी का कार्य कर परिवार का भरण-पोषण कर करते हैं। उनकी एक 6 वर्षीय बेटी है, जिसको जन्म से ही शरीर में झटका आया करता है। जिसका इलाज डॉक्टर के पास चल रहा है, जिसमें पैसे अधिक लग चुके हैं। वर्तमान में पति-पत्नी की आर्थिक स्थित ठीक नही होने के कारण डॉक्टर द्वारा लिखित दवाईयों का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। एक माह की दवाईयां लगभग दस हजार रूपए से अधिक की आती है। मजदूरी कार्य कर पति-पत्नी इतनी कमाई नही कर पाते कि वह बेटी की दवाई का खर्च उठा सकें और घर चला सके। इस पर कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। ग्राम रसमड़ा दुर्ग निवासी बुजुर्ग ने वृद्धा पेंशन दिलाने गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत रसमड़ा में विगत दस वर्षो से ग्राम के सरपंच को वृद्धा पेंशन दिलाने आवेदन किया गया है, परंतु सरपंच द्वारा वृद्धा पेंशन नही बन सकता, जवाब दिया जाता है। अपनी जीविका उपार्जन के लिए उन्होंने वृद्धा पेंशन की मांग की। इस पर कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

वार्ड क्रमांक 23 दीपक नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनीवासियों ने नाली की सफाई एवं जंगली पेड़ पौधो को कटवाने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि वार्ड क्रमांक 23 दीपक नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी रायपुर नाका दुर्ग में नाली की सफाई एवं जंगली पेड़-पौधों की कटाई आधे दूर तक ही की जाती है। पूरी सफाई नही की जाती है,

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

कलेक्टर पहुंचे माना स्थित पीएल होम, निवासरत वृद्ध महिलाओं से की मुलाकात

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने माना स्थित पुर्नवास विभाग द्वारा संचालित पीएल होम पहुंचे । उल्लेखनीय है कि यहां पर शरणार्थी निराश्रित वृद्ध महिलाएं निवासरत हैं। डॉ सिंह ने वृद्ध महिलाओं के बीच स्वयं गए और उनसे मुलाकात की। कलेक्टर ने कहा कि यहां निवासरत बुजुर्ग माताओं के तकलीफों का समाधान किया जाएगा। उन्होंने हर महीने निर्धारित समय पर राशन और कैसडोल देने के निर्देश दिए। उन्होनें कहा कि यहीं नहीं हर महीने इनके ईलाज के लिए चिकित्सक की सुविधा उपलब्ध होगी, जो इनका ईलाज समय में कर सके और दवाईयॉ भी उपलब्ध कराएं। डॉ सिंह ने मोबाईल मेडिकल यूनिट का समय समय पर वृद्धजनों के आवास में भेजने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने वृद्ध महिलाओं को शॉल भी वितरित किया।

डॉ. सिंह ने इन उक्त वृद्ध महिलाओं के आवास का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि आवास के आस पास नए भवन बनाएं जाऐगे जिसमें मंदिर, गार्डन सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने लोक निर्णाण विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में जल्द कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्रीमती अभिलाषा पैकरा, एसडीएम नंदकुमार चौबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आयुष्मान वय वंदना योजना : 70 एवं 70 प्लस के बुजुर्ग बनवा सकेंगे नया आयुष्मान कार्ड

रायपुर। सरकारी व निजी अस्पतालों में 5 लाख तक मुफ्त ईलाज के लिए 70 वर्ष से

अधिक उम्र वाले बुजुर्गो को केवाईसी कराकर नया आयुष्मान कार्ड बनवाना होगा। कार्ड नहीं बनवाने पर सरकारी या निजी अस्पताल राशन कार्ड के प्रकार के अनुसार पुरानी लिमिट में ही ईलाज की सुविधा देगें।

बीपीएल कार्ड होने पर उनके सहित पूरे परिवार को हर साल 5 लाख और एपीएल होने पर 50 हजार तक मुफ्त ईलाज की सुविधा मिलेगी। केवाईसी कराने पर बुजुर्गो का अगल आयुष्मान कार्ड जनरेट हो जायेगा। इस कार्ड से वे किसी भी सरकारी व इन्पैलन निजी अस्पतालों में 5 लाख रुपये तक स्वयं का ईलाज करा सकेंगे। राशन कार्ड में दर्ज ब्यौरा अनुसार जिले में 70 प्लस आयु वर्ग वाले कुल 88850 लोग है। इनमें अधिकतर के नाम उनके परिवार के पास मौजूद राशनकार्डो में दर्ज है। अब तक उन्हे उनके परिवार को जारी राशनकार्ड अनुसार ईलाज की सुविधा मिलती रही है। नई स्कीम चूंकि आधार नंबर बेस स्कीम है इसलिए केवाईसी में राशनकार्ड की कोई जरूरत नही पडेगी। 70 प्लस आयु वर्ग के लोग अपने आधार कार्ड से ऑन लाईन या अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या किसी च्वाइस सेन्टर पर पहुंचकर ऑनलाईन कार्ड बनवा सकेंगे।

वृद्ध ऐसे कर सकेंगे केवाईसी

घर बैठे- 70 प्लस आयु वर्ग के लोगो के लिए घर बैठे केवाईसी करने सबसे अच्छा यह कि beneficiary.nha.gov.in वेबसाईट पर जाये। सर्च करने पर जो पेज खुलता है, उस पर बाई ओर यूट्यूब के दो लिंक प्रदर्शित होते है। एक लिंक 70 प्लस से कम आयु वर्ग के लोगो के आयुष्मान कार्ड से संबंधित है। दूसरा लिंक में वृद्धों के केवाईसी व कार्ड बनाने की बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है।

अधिकृत सेन्टर में- बुजुर्गो के लिए केवाईसी कराने व कार्ड बनाने की सुविधा जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों/सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र/जिला चिकित्सालय एवं पंजीकृत निजी चिकित्सालय पर भी उपलब्ध है। जिला नोडल के अनुसार च्वाईस सेन्टरों पर भी लोग आधार कार्ड से आयुष्मान कार्ड बनवा सकते है। परिवार कोटे से अलग 5 लाख तक मुफ्त ईलाज के लिए 70 प्लस आयु वर्ग के लोगो को नया कार्ड बनवाना अनिवार्य है।

डीएमएफ फंड के पाई-पाई का जनकल्याण में हो रहा उपयोग : देवांगन

शहर के दो शासकीय विद्यालय के निर्माण व अपना घर के बाउंड्री वॉल के निर्माण का हुआ भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरबा जिले मेंडीएमएफ फंड के एक-एक रूपए का उपयोग जनकल्याणकारी कार्यों में किया जा रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों के स्कूलों, आँगनबाड़ी व अस्पतालों की व्यवस्था बेहतर करने लगातार प्रयास किया जा रहे हैं। उक्त बातें कोरबा नगर विधायक और वाणिज्य, उद्योग और श्रममंत्री लखन लाल देवांगन ने वार्ड क्रमांक 30 मानिकपुर के शासकीय प्राथमिक शाला भिलाई खुर्द क्रमांक 1 के नवीन शाला निर्माण और शासकीय हाई स्कूल जेपी कॉलोनी में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के आसंदी से कही।

जिला खनिज न्यास मद 2024-25 मद से क्रमशः 20-20 लाख रुपए की लागत से दोनों कार्यों का मंत्री देवांगन ने विधिवत भूमि पूजन कर शिलापट्टी का अनावरण किया।इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कहां कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कोरबा को जिला खनिज न्यास मद की बहुत बड़ी सौगात दी है, डॉ रमन सिंह जी सरकार में इस मद का उपयोग बेहतर ढंग से शुरू हुआ था, । विष्णु देव के सुशासन वाली सरकार में जिला खनिज न्यास मद का उपयोग जन कल्याण में किया जा रहा है। आज जिले के सभी शासकीय स्कूलों में बच्चों को नाश्ता मिल रहा है, स्कूल और आंगनबाड़ी संवर रहे हैं। बहुत जल्द रेलवे क्रॉसिंग अंडर ब्रिज का निर्माण प्रारंभ होने जा रहा है। इससे प्रभावित होने वाले परिवारों को इतिहास में पहली बार शासकीय जमीन पर बसे लोगों को 3 करोड़ से अधिक का मुआवजा दिया गया। सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्प के साथ कोरबा शहर और जिले का विकास किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रफुल्ल तिवारी, वार्ड क्रमांक 16 के पार्षद नरेंद्र देवांगन, नरेंद्र पाटनवार, कोरबा मंडल के अध्यक्ष परविंदर सिंह, कोसाबाडी मंडल के अध्यक्ष अजय विश्वकर्मा, सरजू अजय, योगेश मिश्रा, युगल केवट, पार्षद शैलेंद्र सिंह, पार्षद फूलचंद सोनवानी, पार्षद धनश्री साहू, बिहारी रजक, दिनेश वैष्णव, राणा मुखर्जी, वैभव शर्मा समेत अन्य उपस्थित रहे।

वार्ड क्रमांक 25 नेहरूनगर मिनिमाता कन्या महाविद्यालय के पीछे स्थित आश्रय स्थल अपना घर के बाउंड्री वॉल और अतिरिक्त कक्ष के निर्माण का भी मंत्री श्री देवांगन ने भूमि पूजन किया। जिला खनिज न्यास मद से 10 लख रुपए की लागत से बाउंड्री वॉल का निर्माण होगा। अपना घर के संचालन करने वाली समिति का मंत्री ने सरहाना की। साथ ही उन्होंने परिसर का जायजा भी लिया।

महंत कॉलेज में मनाया गया कौमी एकता दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय रायपुर में देश की पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी की जन्म तिथि के उपलक्ष में आज कौमी एकता दिवस मनाया गया इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी ने छात्र-छात्राओं को धर्मनिरपेक्षता और भाईचारे की शपथ दिलाई। वही कार्यक्रम में काफी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी ने छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाते हुए अनेकता में एकता धर्मनिरपेक्षता की जानकारी दी और बताया कि जब देश विश्व गुरु बनने की ओर तेजी से अग्रसर हो रहा है। ऐसी स्थिति में हम सभी को हमारे पूर्वज और राष्ट्रीय नेताओं के योगदान को आत्मसात करते हुए नई दिशा में बढ़ाना चाहिए। आने वाली पीढ़ी इतिहास से अवश्य शिक्षित होती है यह समझना बेहतर आवश्यक है तभी हम देश को सुरक्षित हाथों में सौंप कर आगे बढ़ते रहेंगे कार्यक्रम में अन्य शिक्षक शिक्षिकाओं ने भी कौमी एकता दिवस पर अपने विचार साझा किए।

उद्यमिता का समाज के विकास में क्या योगदान पर हुई चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गुरुकुल महिला महाविद्यालय, वाणिज्य विभाग के वाणिज्य परिषद् द्वारा एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीबा राबर्ट लाइवलीहुड एक्सपर्ट एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने कार्यक्रम की रूपरेखा व उद्देश्यो पर प्रकाश डाला।

डॉ. अतुल सर,डिप्टी डायरेक्टर जन शिक्षण संस्थान, रायपुर ने उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला व उद्यमिता का समाज के विकास में क्या योगदान पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. जगन्नाथ शाह, विभागाध्यक्ष (वाणिज्य विभाग) विवेकानंद महाविद्यालय रायपुर, ने प्रबंध के हेनरी फेयोल के 14 सिद्धान्त कार्य विभाजन, अधिकार और ज़िम्मेदारी, अनुशासन, आदेश की एकता,निर्देश की एकता,सामान्य हित के लिए व्यक्तिगत हितों की अधीनता, पारिश्रमिक, केंद्रीकरण, स्केलर, श्रृंखला, इक्विटी, कार्यकाल की स्थिरता,पहल, टीम भावना, व्यवस्था आदि को रामायण के पात्र और कथा से जोड़कर बहुत ही रोचक तरीके से वीडियो व पीपीटी के माध्यम से समझाया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राजेश अग्रवाल ने किया। इस कार्यक्रम के संचालन डॉ.सीमा चंद्राकर और डॉ. ज्योति अग्रवाल (वाणिज्य परिषद् सचिव) ने किया। इस अवसर पर बीकॉम द्वितीय व तृतीय वर्ष की छात्राओं के साथ ही एम कॉम की छात्राएं भी उपस्थित रही।

शब्दों से दी गई वरिष्ठ पत्रकार को श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता की पहचान रहे स्व.गोपाल वोरा की याद में रविवार शाम एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन सप्रे शाला हाल में किया गया था। बड़ी संख्या में जुटे जनप्रतिनिधि, पत्रकार, साहित्यकार, सामाजिकजनों ने अपने शब्दों से श्री वोरा को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री वोरा के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए उनके पत्रकारीय योगदान को सराहा। पत्रकारों ने जहां उन्हे अपना मार्गदर्शक बताया तो जनप्रतिनिधियों ने आदर्श पत्रकार। वोरा के पारिवारिक सदस्य भी उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि सभा की शुरुआत में पत्रकार डा.अनिल द्विवेदी ने श्री वोरा का जीवन परिचय रखा। रायपुर लोकसभा के सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि स्व. वोरा से हमारे परिवार के रिश्ते थे। वे हमेशा मेरा मार्गदर्शन करते रहे, जब भी मैं चुनाव मैदान में होता तो वे मेरा हौसला अफ्जाई करते हुए कहते थे तुम्हे कोई नहीं हरा सकता। ये उनका आर्शिवाद होता था। उन्होंने गोपाल वोरा को आदर्श पत्रकार बताया और उन पर पुस्तक प्रकाशित करने का सुझाव दिया ताकि पत्रकारिता की नई पीढ़ी को मार्गदर्शन मिल सके।

रायपुर दक्षिण से नव निर्वाचित विधायक सुनील सोनी ने अपनी श्रद्धांजलि में कहा कि स्व. गोपाल वोरा और मैं एक ही मोहल्ले के रहने वाले थे। उन्होंने बतौर पत्रकार हमेशा सच के लिए कहा और लिखा भी। वे हमेशा सही मार्गदर्शन करते रहे और मैं उसे आदर के साथ मानता रहा।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी श्रद्धांजलि देने के लिए कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि स्व. गोपाल वोरा आदर्श निष्ठ और हमेशा सही सवाल करने वाले पत्रकार रहे। मेरा उनसे आदर का संबंध रहा। उन्होंने कभी भी दिल दुखाने वाला सवाल नहीं किया। श्री वोरा की सादगी दूसरों के लिए प्रेरक थी। काफी लंबे समय से हमारा साथ रहा।

वरिष्ठ पत्रकार और साहित्यकार श्री गिरीश पंकज ने स्व. गोपाल वोरा को याद करते हुए कहा कि हमारी पीढ़ी ने उनसे बहुत कुछ सीखा। मैं जब भी कुछ लिखता या प्रकाशित होता तो श्री वोरा मुझे फोन करके मार्गदर्शन करते गलतियां भी बताते थे और असहमति भी जताते थे लेकिन उनकी सलाह हमेशा शिरोधार्य रही। उनसे मुलाकात करते तो कुछ ना कुछ सीखने को मिलता था।

नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे ने श्री वोरा के योगदान को याद करते हुए कहा कि मैं उनका बहुत सम्मान करता था, उनसे कुछ न कुछ सीखने को मिलता। कई बार वे फोन करके आदेश देते तो हम उनके सम्मान में मोहल्ले में जुड़े जनहित के कार्यों को प्राथमिकता से करते थे। इस अवसर पर विधायक राजेश मूणत,पूर्व विधायक अरुण वोरा, वरिष्ठ पत्रकार कौशल किशोर मिश्र, साहित्यकार डा.रमेन्द्रनाथ मिश्र सहित अनेक नागरिकों ने अपने विचार रखे तथा स्व गोपाल वोरा के पत्रकारीय योगदान को याद किया।कार्यक्रम का संचालन डा.मुकेश शाह ने किया। कार्यक्रम का आयोजन प्रेस क्लब, भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ तथा श्री रायपुर पुष्टिकर ब्राह्मण समाज ने मिलकर किया था। स्व गोपाल वोरा के सुपुत्र राजेश वोरा और मनीष वोरा पत्रकार ने सबका आभार जताया। इस अवसर पर भजन संध्या भी आयोजित की गईं।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार बाबूलाल शर्मा, राजेश दुबे, प्रकाश शर्मा, ब्रजेश चौबे, उमाशंकर व्यास, नरेन्द्र बंगाले, अनिल पवार, कृष्णा गोस्वामी, रूपेश यादव, संजय शेखर, अवधेश मिश्रा, मोहन तिवारी, उचित शर्मा, प्रफुल्ल ठाकुर, वैभव शिव पांडेय, नदीम, गंगेश द्विदी, पीसी रथ, शिरिष मिश्रा, सुनील जायसवाल के अलावा गणमान्य नागरिक पंकज शर्मा,शानू वोरा, मृत्युंजय दुबे, अविनाश शुक्ला, वीरेन्द्र पांडेय, कन्हैया अग्रवाल, सतीश जैन, संजय पाठक, विनोद वर्मा, गिरीश दुबे, आनंद सिंघानिया, सुरेश मिश्रा, डा. सुरेश शुक्ला, अनुराग मिश्रा, मनोज कंदोई, राघवेन्द्र मिश्रा, हरख मालू, अनुपम वर्मा, कमलेश नथवानी, ओमप्रकाश बरलोटा, आकाश विग सहित काफी संख्या में उपस्थिति रही।

कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज कलेक्ट्रोरेट परिसर के रेडक्रॉस सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक ली। उन्होने कहा कि यह सुनिश्चित करें कि सभी केन्द्रो में धान की खरीदी नियमानुसार व्यवस्थित तरीके से हो। अवैध धान भंडारण अवैध धान परिवहन करने वाले पर नजर रखें और कड़ी कार्रवाई करें। जिला स्तरीय अधिकारी सहित राजस्व अधिकारी धान केन्दो का दौरा करें और रिपोर्ट प्रदान करें। यह भी ध्यान रखे कि केन्द्रों पर किसानों को कोई असुविधा ना हो। बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि अब तक 5 लाख 48 हजार 164 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। कलेक्टर ने कहा कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी राइस मिलर्स से नागरिक आपूर्ति निगम एवं एफसीआई में चावल जमा कराना सुनिश्चित करवाएं।

कलेक्टर ने कहा कि जिले में पात्र बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनाए जाए इससे जुड़े लंबित सारे प्रकरण का जल्द निपटारा करें। जिला शिक्षा अधिकारी विकासखंड स्तर पर अधिकारी समन्वय कर इसे गति प्रदान करें। बीईओ अपने अपने स्कूलों में शिविर लगाकर तेजी से जाति प्रमाण पत्र बनाए। कलेक्टर ने कहा कि जिले में होने वाले खनिज के अवैध उत्खनन पर कड़ाई से रोक लगाएं। खनिज विभाग सहित राजस्व अधिकारी इस पर नजर रखें और कड़ी कार्रवाई करें। बैठक में निगम कमिश्नर अविनाश मिश्रा सहायक कलेक्टर अनुपमा आनंद अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर के निर्देश पर अवैध धान बिक्री व भंडारण पर की कार्रवाई

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिले में अवैध धान की बिक्री एवं भंडारण पर कार्रवाई निरंतर जारी है। जिले में 19 प्रकरणों दर्ज किया गया है। जिसके तहत 442.60 क्विंटल अवैध धान की जब्ती की गई है।

अवैध धान बिक्री एवं भंडारण के मामले में रायपुर जिले में सारागांव खरीदी केंद्र में वीरनारायण देवांगन, गणेश राम साहू, सौरभ ट्रेडर्स, नवापारा में अमित सोनी, पारागांव में संजय यादव, कुर्रा में हरिराम साहू, श्री सांई ट्रेडर्स, श्री माता राजिम ट्रेडर्स, सेम्हरा में सेवक राम साहू, तर्री में तुलाराम किराना स्टोर्स, आरंग में भरत साहू, भोथली में बंधु जनरल स्टोर्स, गुल्लू में दिनेश ट्रेडर्स, तुलसी में सोनू अग्रवाल, तरपोंगी में उमेंद्र वर्मा, मोहंदा में राम कल्याण पटेल, सरारीडीह में रामनांद देवांगन, पलौद में रूपेंद्र साहू, सातपारा में जितेंद्र यादव पर प्रकरण दर्ज किया गया है।

उल्लेखनीय है कि मंडी द्वारा ऐसे फुटकर व्यापारी जिनके द्वारा निर्धारित क्रय सीमा से अधिक मात्रा में धान क्रय कर भंडारित किया गया है, उन पर भी कार्रवाई की गई है। साथ ही अवैध बिक्री उपार्जन में समर्थन मूल्य एवं बोनस सहित 3100 रुपए प्रति क्विंटल का लाभ प्राप्त करने वालों के खिलाफ कृषि उपज मंडी अधिनियम के उल्लंघन पर मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। इसके अलावा व्यापारियों द्वारा बिना अनुज्ञा पत्र बिना मंडी शुल्क कृषक कल्याण शुल्क जमा किये, परिवहन करते या विक्रय करते पाए जाने वालों पर भी कार्रवाई की गई है। वहीं क्रेता व्यापारियों एवं व्यक्तियों द्वारा निर्धारित विक्रय स्थल के स्थान पर अन्यत्र विक्रय किया जाता है, उन पर भी कार्रवाईयां की जा रही है।

यामिनी मल्होत्रा की बिग बॉस-18 में होगी एंट्री, घर में शामिल होने से पहले ही कंटेस्टेंस से ले ली दुश्मनी

बिग बॉस सीजन 18 में इन दिनों वाइल्ड कार्ड एंट्री को लेकर काफी चर्चाएं हो रही हैं। ऐसे में खबर है कि तीन वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट शो में शामिल होंगे। उनमें से एक कंटेस्टेंट यामिनी मल्होत्रा है। बता दें कि यामिनी टीवी के हिट शो 'गुम है किसी के प्यार में' के लिए जानी जाती हैं। इस शो में उन्होंन शिवानी चव्हाण का किरदार निभाया था।

बिग बॉस 18 अब और भी ज्यादा इंटरस्टिंग होने वाला है। इस शो में तीन वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट की एंट्री होने वाली है। हालांकि घर में रह बंद प्रतिभागियों की मुश्किल और भी ज्यादा बढ़ने वाली है। ऐसी खबर है कि शो में ग्लैमर का तड़का लगाने के लिए तीन नए वाइल्डकार्ड की एंट्री होने वाली है। ये तीन वाइल्ड कार्ड एंट्री हैं अदिति मिस्त्री, एडिन रोज और यामिनी मल्होत्रा। चलिए बताते हैं तीनों वाइल्ड कार्ड में से एक यामिनी मल्होत्रा के बारे में।

यामिनी मल्होत्रा टीवी इंडस्ट्री का जाना-माना नाम है। उन्होंने 'गुम है किसी के प्यार में' सीरियल में शिवानी चव्हाण का रोल निभाया था। इस शो में दर्शकों ने उन्हें खूब पसंद भी किया था। हालांकि एक्ट्रेस ने बीच में ही यह शो छोड़ दिया था जिसके बाद उनकी भूमिका तन्वी ठक्कर ने निभाई थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक यामिनी अभिनेत्री होने के साथ एक डेंटिस्ट भी हैं। एक्टिंग से पहले एक्ट्रेस ब्रांडो के कई विज्ञापनों का हिस्सा भी रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस की सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें एक मिलियन से ज्यादा यूजर्स फॉलो करते हैं। वहीं, एक्ट्रेस का यूट्यूब चैनल भी है जिसपर उन्हें 76 हजार से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। अगर एक्ट्रेस के नेटवर्थ की बात करें तो उनकी कुल संपत्ति लगभाग 4 करोड़ रुपये के आसपास है। ये ही नहीं एक्ट्रेस यामिनी सोशल मीडिया से भी तगड़ी कमाई करती हैं।

बता दें कि यामिनी ने घर में जाने से पहले इंटरव्यू दिया है जिसमें उन्होंने घर के अंदर के कुछ लोगों पर निशाना साधा और उन्हें फेक बताया है। उन्होंने रजत दलाल को कहा की वो अच्छा खेलते हैं और किसी भी मुद्दे पर खुलकर बात करते हैं। वहीं उन्होंने शिल्पा को फेक बताया है।

यामिनी ने ईशा, एलिस, अविनाश और विवियन को लेकर कहा कि वह लोग केवल घर में बैठकर चुगली करते हैं। वहीं, चुम को उन्होंने प्यारी कहा है।

बच्चों को खुश रखने के लिए उन्हें सिखाएं डांस, जानिए तरीके

बच्चों को खुश और स्वस्थ रखने के लिए डांस एक बेहतरीन तरीका है। यह न केवल उनके शारीरिक विकास में मदद करता है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन भी बनाए रखता है। डांस एक्टिविटी से बच्चे अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सकते हैं और आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे आप बच्चों को डांस एक्टिविटी के माध्यम से खुशी सिखा सकते हैं।

संगीत का चयन करें

बच्चों के लिए सही संगीत का चयन करना बहुत जरूरी है। ऐसा संगीत चुनें, जो बच्चों को पसंद आए और उन्हें नाचने के लिए प्रेरित करे। बच्चों की उम्र और रुचियों के अनुसार गाने चुनें, जैसे कि कार्टून थीम सॉन्ग या लोकप्रिय बाल गीत।इससे बच्चे आसानी से जुड़ाव महसूस करेंगे और डांस करने में मजा आएगा। इसके अलावा संगीत का ताल और लय भी ध्यान में रखें ताकि बच्चे आसानी से उसके साथ तालमेल बिठा सकें।

सरल स्टेप्स सिखाएं

शुरुआत में बच्चों को सरल स्टेप्स सिखाएं ताकि वे आसानी से समझ सकें और उनका आत्मविश्वास बढ़े। छोटे-छोटे कदमों से शुरुआत करें, जैसे कि हाथ हिलाना, पैर चलाना या घुमना। धीरे-धीरे इन स्टेप्स को जोड़कर एक छोटी सी रूटीन बनाएं जिसे बच्चे आसानी से याद कर सकें।बच्चों को प्रोत्साहित करें कि वे खुद भी नए स्टेप्स आजमाएं और अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करें। इससे उनका आत्मविश्वास और भी बढ़ेगा और वे डांस का पूरा आनंद ले सकेंगे।

खेल-खेल में सीखना

बच्चों को खेल-खेल में डांस सिखाना सबसे अच्छा तरीका है।आप म्यूजिकल चेयर, फ्रीज डांस या अन्य मजेदार गेम्स का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें बच्चे बिना किसी दबाव के नाच सकें। इससे वे बिना किसी तनाव के नई चीजें सीखेंगे और उनका ध्यान भी बना रहेगा।इसके अलावा आप बच्चों को अलग-अलग गानों पर नाचने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, जिससे वे अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन कर सकें और डांस का पूरा आनंद ले सकें।

समूह गतिविधियां आयोजित करें

समूह गतिविधियों का आयोजन करके बच्चों को टीमवर्क की अहमियत समझाई जा सकती है। ग्रुप डांस प्रैक्टिस करवाएं जहां सभी बच्चे मिलकर एक साथ नाच सकें। इससे उनमें सहयोग की भावना विकसित होगी और वे दूसरों के साथ मिलकर काम करना सीखेंगे।आप बच्चों को अलग-अलग समूहों में बांट सकते हैं और उन्हें कई गानों पर डांस करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इससे वे एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाना सीखेंगे और उनकी रचनात्मकता भी बढ़ेगी।

प्रोत्साहन दें

बच्चों को प्रोत्साहित करना बहुत जरूरी है ताकि वे अपने प्रयासों पर गर्व महसूस करें। उनकी छोटी-छोटी उपलब्धियों पर तारीफ करें और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दें। जब बच्चे देखेंगे कि उनके प्रयासों की सराहना हो रही है तो वे अधिक उत्साहित होकर बेहतर प्रदर्शन करेंगे। सही संगीत का चयन, सरल स्टेप्स सिखाना, खेल-खेल में सीखना, समूह गतिविधियां आयोजित करना और प्रोत्साहन देना, ये सभी तरीके आपके बच्चों को खुश रखने में मदद करेंगे।

आपके बच्चों को भी है मीठा खाने की लत? छुड़वाने के लिए अपनाएं ये तरीके

बड़ों के लिए मीठे की लत को दूर करना मुश्किल होता है। हालांकि, जब बात बच्चों में मीठे की लालसा को कम करने की आती है, तो यह और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है।बच्चों को टॉफी, चॉकलेट, बिस्कुट और केक जैसे व्यंजन पसंद होते हैं, जिनके सेवन से दांत खराब हो सकते हैं और बच्चे बीमार भी पड़ सकते हैं। अपने बच्चों की देखभाल करने के लिए ये 5 टिप्स अपनाएं, जिनसे उनकी मीठे की लालसा कम हो जाएगी।

प्राकृतिक रूप से मीठे खाद्य पदार्थ खिलाएं

बच्चों के लिए अचानक मीठा खाना बंद कर देना बेहद मुश्किल हो सकता है।ऐसे में आपको पहले उन्हें टॉफी और चॉकलेट आदि की जगह पर ऐसे खाद्य पदार्थ खिलाने चाहिए, जिनमें रिफाइंड चीनी की जगह प्राकृतिक चीनी मौजूद होती हो।आप उन्हें संतरे, बेरी और अनानास आदि जैसे मीठे फल खिला सकते हैं। इन फलों के जरिए उन्हें फाइबर समेत अन्य पोषक तत्व भी मिलेंगे और उनकी मीठा खाने की लालसा भी पूरी हो जाएगी।

जूस जैसे मीठे पेय पदार्थों से दूर रखें

सभी मां-बाप अपने बच्चों को बाजार में मिलने वाले जूस और अन्य पेय पिला देते हैं, क्योंकि ब्रांड इन्हें स्वस्थ बताते हैं। हालांकि, इनमें अधिक मात्रा में चीनी शामिल होती है और ये बच्चों के स्वास्थ्य को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं।आपको अपने बच्चे की मीठे की लत छुड़वाने के लिए उसे पैकेट वाले जूस और चॉकलेट पाउडर वाला दूध आदि नहीं पिलाना चाहिए।इनके बजाय उन्हें ताजे फलों का जूस निकालकर पिलाएं या बिना चीनी वाला दूध दें।

इनाम के रूप में टॉफी देना बंद करें

मां-बाप बच्चों से अपनी बात मनवाने के लिए उन्हें टॉफी-चॉकलेट का लालच देते हैं। जब बच्चे कोई अच्छा काम करते हैं या उनकी बात मान लेते हैं, तो वे उन्हें मीठे व्यंजन खिलाकर खुश करने की कोशिश करते हैं।हालांकि, ऐसा करने से बच्चों की आदत बिगड़ती है और वे मीठा खाने के आदी हो जाते हैं। अगर आप अपने बच्चे की डाइट से मीठे व्यंजन कम करना चाहते हैं तो उन्हें इनाम के रूप में टॉफी-चॉकलेट देना बंद करें।

धीरे-धीरे चीनी खिलाना कम करें

अगर आप अचानक अपने बच्चों को मीठे व्यंजन देना बंद कर देंगे, तो वे चिड़चिड़े हो जाएंगे और जिद करने लगेंगे। ऐसे में उनके खान-पान में छोटे-छोटे बदलाव करें और धीरे-धीरे उन्हें चीनी खिलाना कम करें।सबसे पहले उन व्यंजनों में चीनी डालना बंद करें, जिन्हें आपके बच्चे रोज खाते हैं, जैसे दूध, दही या स्मूदी आदी। इसके बाद उन्हें टॉफी या चॉकलेट की जगह पर सूखे मेवे या फल खिलाना शुरू करें।

प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों का सेवन भी रोकें

आज कल के बच्चे लगभग रोजाना चिप्स, बिस्कुट और इंस्टेंट नूडल्स जैसे व्यंजन खाते हैं। ये खाद्य पदार्थ अधिक प्रोसेस्ड होते हैं और इनमें कोई पोषक तत्व नहीं मौजूद होते हैं।यह सभी व्यंजन चीनी से समृद्ध होते हैं और मीठे की लालसा को बढ़ाने में योगदान दे सकते हैं। ऐसे में आपको बच्चों के खान-पान से ये प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ भी निकाल देने चाहिए।आप मीठे की लालसा को कम करने के लिए ये खाद्य पदार्थ खा सकते हैं।

नुसरत भरूचा ने स्टाइलिश लहंगा पहन शेयर की ग्लैमरस लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरूचा हमेशा अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस से इंस्टाग्राम पर तबाही मचाती रहती हैं। उनका सिजलिंग अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। एक्ट्रेस नुसरत भरूचा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर सभी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।

उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने रेड कलर का रिवीलिंग गाउन पहना हुआ है।

ओपन हेयर, गले में नेकलेस और कानों में इयररिंग्स पहनकर एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट कर दिया है। नुसरत भरूचा की इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं वो कैमरे के सामने सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई इंटरनेट का तापमान बढ़ा रही हैं। नुसरत भरूचा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

हॉट ड्रेस पहन मोनालिसा ने बर्थडे पार्टी पर लगाया ग्लैमर का तड़का

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने 21 नवंबर को अपना 42वां बर्थडे मनाया था। अपने जन्मदिवस के खास अवसर पर एक्ट्रेस ने अपने फैंस को शादार गिफ्ट दिया। दरअसल, मोनालिसा ने अपने बर्थडे की कुछ फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस देखकर फैंस एक बार फिर से उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं।

टीवी और भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट क्वीन मोनालिसा आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी हॉटनेस से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।

हाल ही में मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका रेड हॉट लुक देखकर लोगों के होश उड़ गए हैं। साथ ही लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

मोनालिसा की इन लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने रेड कलर की चमचमाती रिवीलींग शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक पोज देते हुए इंटरनेट का तापमान बढ़ा रही हैं।

बालों की पोनीटेल बांधकर, कानों में इयररिंग्स, लाइट मेकअप और डार्क रेड शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

मोनालिसा की यह फोटोज इंस्टाग्राम पर जैसे पोस्ट हुई वैसे ही कई सारे यूजर्स ने टू मच हॉट। यू लुक सो ब्यूटिफुल। लुकिंग ग्लैमरस, टू मच स्टनिंग, उफ्फ ये हॉटनेस लिख कर कॉमेंट्स करने शुरू कर दिए हैं।

एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। इंडियन हो या फिर वेस्टर्न एक्ट्रेस का हर लुक फैंस के बीच आते ही ट्रेंड करने लगता है।

पॉल्यूशन से बचने के लिए कौन सा मास्क बेहतर?

दिल्ली-एनसीआर समेत आसपास के इलाकों की हवा जहरीली हो गई है। लोगों का खुलकर सांस लेना भी दुश्वार हो गया है। एयर क्वॉलिटी इंडेक्स आए दिन खतरनाक लेवल क्रॉस कर रहा है। वायु प्रदूषण बढ़ने की वजह से लोगों की सेहत में गंभीर नुकसान देखने को मिल रहे हैं। पॉल्यूशन लोगों के फेफड़ों को बीमार कर रहा है। वहीं दिल से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। इसके साथ ही कई रिसर्च में प्रदूषण की वजह से कैंसर होने के खतरे की बात भी सामने आ रही है। इन सभी के पीछे का कारण है एक महीन कण पीएम 2.5 (पार्टिकुलेट मैटर 2.5)। यही सभी बीमारियों की जड़ है। वायु में घुले इस बारीक कण की वजह से ही लोग बीमार पड़ रहे हैं। ये सांस के जरिए सीधे लोगों के फेफड़ों में पहुंच रहा है। इससे बचने का सिर्फ एक ही तरीका है वो है मास्क। अब लोगों में मास्क को लेकर भी बड़ी कंफ्यूजन है कि कौन सा मास्क दिल्ली जैसे प्रदूषण से बचाव कर सकता है। आइए जानते हैं एन-95 बनाम एन-99 मास्क में कौन सा मास्क आपके लिए बेहतर रहेगा।

एन-95 मास्क या एफएफपी-1

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक एन-95 मास्क मेडिकल तौर पर सबसे ज्यादा इफेक्टिव होता है। दिल्ली-एनसीआर में जो लोग रोजाना प्रदूषण के संपर्क में आते हैं उनके लिए 95 प्रतिशत फिल्ट्रेशन रेट के लिए एफएफपी1 मास्क अच्छा साबित हो सकता है। इससे फायदा न मिले तो एन-95 मास्क का यूज करें। एन-95 मास्क पीएम 2.5 और अन्य प्रदूषक को 95 प्रतिशत तक फिल्टर कर सकता है।

एन-99 मास्क

एन-99 मास्क प्रदूषण को पूरी तरह रोक नहीं पाता है। लेकिन काफी हद तक छोटे कणों को शरीर के अंदर जाने से रोक सकता है।

एन-100 मास्क

एन100 मास्क हाई लेवल फिल्टरेशन का काम करते हैं। एन-100 99.97 प्रतिशत तक प्रदूषक तत्वों को फ़िल्टर करता है। इनका इस्तेमाल बहुत अधिक प्रदूषित जगहों पर किया जाता है। इनमें सांस लेना थोड़ा मुश्किल होता है। इसे ज्यादा देर तक इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

पी-95 और आर-95 मास्क

पी-95 मास्क ऑयल बेस्ड पार्टिकल्स से बचाव करता है। नॉन-ऑयल और ऑयल बेस्ड पार्टिकल्स जैसे प्रदूषण वाले वातावरण के लिए परफेक्ट हैं। इन्हें शॉर्ट टर्म के लिए यूज कर सकते हैं।

पॉल्यूशन से बचने के लिए कैसा मास्क खरीदें?

एक्सपर्ट के अनुसार पीएम 2.5 (पार्टिकुलेट मैटर 2.5) कणों की वजह से बचने के लिए हमेशा ऐसा मास्क खरीदना चाहिए जिनकी सील पक्की हो। इसके साथ ही इस बात का खास ख्याल रखें की उनमें कार्बन डाइऑक्साइड को बाहर निकालने के लिए वॉल्व भी बना हो।

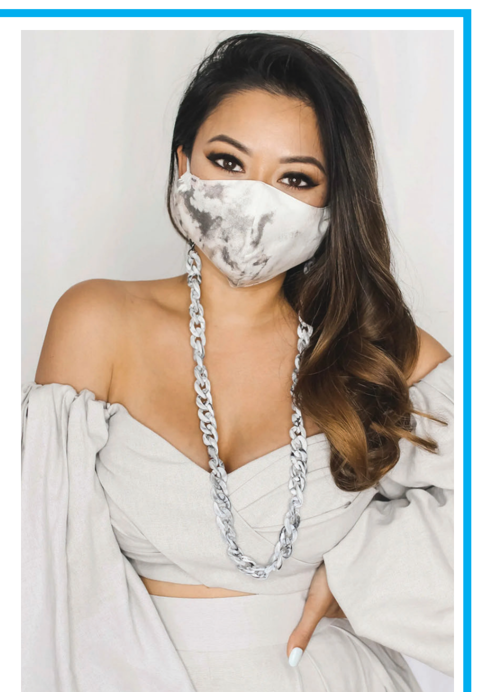

नई औद्योगिक नीति से प्रदेश में बेहतर औद्योगिक वातारण का निर्माण होगा: लखन लाल देवांगन

31 मार्च 2030 तक के लिए होगी नई औद्योगिक नीति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि प्रदेश की नवीन औद्योगिक नीति में उद्यमियों एवं युवाओं के लिए बेहतर अवसर प्रदान करने वाली है। इससे प्रदेश में बेहतर औद्योगिक वातारण का निर्माण होगा और प्रदेश के निवासियों को रोजगार उपलब्ध होंगे। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा 14 नवम्बर को प्रदेश में नवीन औद्योगिक नीति लॉन्च की गई थी।

छत्तीसगढ़ सरकार ने भारत सरकार के विजन 2047 की परिकल्पना को साकार करने तथा राज्य के औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से कई प्रावधान किए हैं। राज्य के प्रशिक्षित व्यक्तियों को औपचारिक रोजगार में परिवर्तित करने के लिए उद्योगों हेतु प्रति व्यक्ति 15 हजार रूपए की प्रशिक्षण वृत्ति प्रतिपूर्ति का प्रावधान किया गया है। यह नीति 31 मार्च 2030 तक के लिए होगी।

उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने बताया कि नई औद्योगिक नीति में निवेश प्रोत्साहन में ब्याज अनुदान, लागत पूंजी अनुदान, स्टाम्प शुल्क छूट, विद्युत शुल्क छूट. मूल्य संवर्धित कर प्रतिपूर्ति का प्रावधान है। नई नीति में मंडी शुल्क छूट, दिव्यांग (नि:शक्त) रोजगार अनुदान, पर्यावरणीय प्रोजेक्ट अनुदान, परिवहन अनुदान, नेट राज्य वस्तु एवं सेवा कर की प्रतिपूर्ति के भी प्रावधान किये गये हैं।

इस नीति में राज्य के युवाओं के लिये रोजगार सृजन को लक्ष्य में रखकर एक हजार से अधिक स्थानीय रोजगार सृजन के आधार पर बी-स्पोक पैकेज विशिष्ट क्षेत्र के उद्योगों के लिये प्रावधानित है। राज्य के निवासियों विशेषकर अनुसूचित जाति, जनजाति, महिला उद्यमियों, सेवानिवृत्त अग्निवीर सैनिक, भूतपूर्व सैनिकों, जिनमें पैरामिलिट्री भी शामिल है, को नई औद्योगिक नीति के तहत अधिक प्रोत्साहन दिए जाने का प्रावधान है।

नक्सल प्रभावित लोगों, कमजोर वर्ग, तृतीय लिंग के उद्यमियों के लिए नई औद्योगिक पॉलिसी के तहत विशेष प्रोत्साहन दिए जाने का प्रावधान किया गया है। नई औद्योगिक नीति में पहली बार सेवा क्षेत्र अंतर्गत एमएसएमई सेवा उद्यम एवं वृहद सेवा उद्यमों के लिये पृथक-पृथक प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है।

इस नीति में फार्मास्यूटिकल, टेक्सटाईल, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण तथा गैर काष्ठ वनोत्पाद (एनटीएफपी) प्रसंस्करण, कम्प्रेस्ड बॉयो गैस, ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, आर्टिफिशियल इंटीलिजेंस (ए.आई), रोबोटिक्स एण्ड कम्प्यूटिंग (जी.पी.यू), आई.टी., आई.टी.ई.एस., डेटा सेंटर, जल विद्युत परियोजनाओं, सौर ऊर्जा परियोजनाओं आदि के लिए आकर्षक पृथक औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन का प्रावधान है। राज्य के कोरबा-बिलासपुर-रायपुर को देश के औद्योगिक मानचित्र में स्थान दिलाने के लिये इण्डस्ट्रियल कॉरीडोर की स्थापना का प्रावधान है। नई औद्योगिक नीति के निर्माण के लिए उद्योग विभाग द्वारा संबंधित सभी हितपक्षों, औद्योगिक संगठन, औद्योगिक समूहों, संबंधित विभागों के साथ एक वर्ष तक संवाद एवं गहन विचार-विमर्श कर तैयार किया गया है।

जिले में अब तक 04 लाख 21 हजार 386 क्विंटल धान की खरीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के 102 उपार्जन केन्द्रों में अब तक किसानों से 4 लाख 21 हजार 386 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। गौरतलब है कि किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 14 नवम्बर से शुरू हो चुकी है। जिले में 87 सहकारी समतियों के अंतर्गत इसके लिए कुल 102 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं। जिले में धान खरीदी के लिए कुल 114752 किसान पंजीकृत है। जिनके पंजीकृत रकबे 121538 हेक्टेयर है। इन किसानों से 64844850 क्विंटल धान खरीदी का अनुमान है।

प्राप्त जानकारी अनुसार खरीदी खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में अब तक जिले में 9010 किसानों द्वारा धान विक्रय किए जा चुके हैं, जिनसे कुल 421386 क्विंटल धान की खरीदी हो चुकी है। राज्य सरकार की धान खरीदी नीति से किसान खुश है और वे टोकन प्राप्त कर अपनी बारी के अनुसार अपने उत्पादित धान को बिक्री करने उपार्जन केन्द्र पहुंच रहे हैं। धान खरीदी शुरू होने के विगत 11 दिनों में उपार्जन केन्द्रों में लगातार धान का आवक बढ़ रहा है। इससे कई उपार्जन केन्द्र में बफर लिमिट के करीब पहुंच चुके है। धान खरीदी हेतु जिले के समितियों में बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। खरीफ वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए सहकारी समितियों को अब तक 50 लाख 8 हजार 323 नग बारदाने प्राप्त हो चुके हैं।

इनमें 10 लाख 53 हजार 465 बारदाने की खरीदी में उपयोग हो चुका है। जिले में इस वर्ष धान खरीदी के लिए कुल 1 करोड़ 70 लाख बारदाने की आवश्यकता होगी। धान खरीदी में बारदाने के उपयोग के बाद जिले की सहकारी समितियों में अभी भी 395458 बारदाने शेष है। इनमें 2245316 नए, 975899 मिलर्स एवं 733643 पीडीएस से प्राप्त बारदाने शामिल है। इस वर्ष कुल 64 लाख 48 हजार 484 क्विंटल धान खरीदी का लक्ष्य है। धान उपार्जन के लिए 50 प्रतिशत नए तथा 50 प्रतिशत पुराने बारदाने का उपार्जन केन्द्रों में उपयोग किया जाना है। जिले में इस वर्ष अनुमानित धान खरीदी के जरूरत के अनुसार पर्याप्त मात्रा में बारदाने उपलब्ध है। किसी भी समिति में बारदाने को लेकर कोई समस्या नहीं हैं। समितियों में 50-50 के अनुपात बारदाना भेजे जा रहे है, जहां जरूरत होगी वहां जरूरत के हिसाब से और बारदाने भेजे जाएंगे।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री और मनेंद्रगढ़ के स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने आज मनेंद्रगढ़ के विभिन्न धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया। श्री जायसवाल ने धान खरीदी केंद्र रतनपुर, बरदर, खड़गंवा और बड़ाबाजार केंद्रों का निरीक्षण करते हुए धान खरीदी का जायजा लिया।

श्री जायसवाल ने धान खरीदी केंद्रों में किसानों को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लेते हुए समितियों में धान खरीदी प्रक्रिया का भी जायजा लिया। इस दौरान श्री जायसवाल ने समितियों में धान बेचने आए किसानों को माला पहनाकर और श्रीफल देकर सम्मानित भी किया। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने केंद्रों का निरीक्षण करने के साथ ही समिति प्रभारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से ही धान खरीदी की जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर सभी जिलों में धान खरीदी का कार्य सुगमतापूर्वक चल रहा है। उन्होंने कहा कि 21 क्विंटल प्रति एकड़ से कम धान खरीदी की शिकायत मिलने पर समितियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इमार्निंग टेक्नोलॉजी पर एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के निजी होटल में इमर्जिंग टेक्नालाजी की जानकारी से अवगत कराने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। भारत सरकार की संस्था सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफएडवांस कम्प्यूटिंग (सी-डेक) द्वारा आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती निहारिका बारिक, प्रमुख सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आई.टी. विभाग ने कहा कि छत्तीसगढ़ तेजी से आधुनिक टेक्नालॉजी से जुड़ रहा है। इस मौके पर उन्होंने राज्य में आई.टी. क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

कार्यशाला में उपस्थित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए श्रीमती निहारिका बारिक ने कहा कि तकनीक हर पल बदल रही है। ऐसे में शासन के समक्ष इन उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ कदम मिलाकर चलना एक चुनौती है। छत्तीसगढ़ की सरकार ने इन चुनौतियों से पार पाने और उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ समन्वय करने के लिए राज्य में डिजिटल अधोसंरचना विकास, ई-सुशासन, साइबर सुरक्ष, डिजिटल साक्षरता, कौशल विकास और आईटी उद्योगों को प्रोत्साहन आदि अनेक प्रमुख क्षेत्रों को चिन्हित कर प्रोत्साहन देने का निर्णय लिया है। छत्तीसगढ़ इंफोटेक प्रमोशन सोसायटी (चिप्स) के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रभात मलिक ने चिप्स की स्थापना का उद्देश्य बताते हुए कहा कि राज्य में आई.टी. अधोसंरचना का विकास करना चिप्स का प्रमुख लक्ष्य है। चिप्स द्वारा इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्टेट डाटा सेंटर विकसित किया गया है। शासकीय संस्थाओं को आपस में सुरक्षित रूप से जोड़ने के लिए सी.जी.स्वान परियोजना का संचालन किया जा रहा है। इसके अलावा राज्य के विभागों को उनकी आवश्यकता के अनुसार तकनीकी सहयोग भी चिप्स द्वारा प्रदान किया जाता है। साथ ही आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस का अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए निकट भविष्य में चिप्स द्वारा कार्यशालाओं का आयोजन किया जायेगा, ताकि उच्च स्तर पर निर्णयकर्ताओं के साथ-साथ राज्य के अधिकारयों और कर्मचारियों की क्षमता विकास किया जा सके। सी-डेक की वरिष्ठ निदेशक डॉ. पद्मा जोशी ने बताया कि छत्तीसगढ़ में पहली बार सी-डेक द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें इमर्जिंग टेक्नालाजी, ब्लॉकचेन, आधार प्रमाणीकरण जैसी आधुनिक तकनीकों के बारे में जानकारी दी जाएगी। डॉ. पद्मा जोशी ने कहा कि ऐसे कार्यशालाओं के आयोजन से आई. टी. क्षेत्र में आने वाली समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

कम पानी और कम लागत में नोमेन्द्र कुमार साहू अर्जित कर रहे अधिक आमदनी

नोमेन्द्र के गेंदा फूलों की जिले में ही नहीं, बल्कि अन्य जिलों में भी बिखेर रही अपनी खुशबू

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। देश, प्रदेश सहित जिले में भी लगातार भूजल स्तर का नीचे जाना चिंता का विषय हो गया। गर्मियों में कभी रविशंकर जलाशय गंगरेल बांध का पानी कम नहीं होता था, वह भी कम होने लगा। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर जिलेवासियों ने जल संरक्षण की दिशा में अनेक कदम उठाए।

लोगों ने जहां बारिश के पानी को संरक्षित करने के लिए रैन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, रिचार्ज स्ट्रक्चर इत्यादि बनाए, वहीं किसानों ने भी बढ़-चढ़कर फसल चक्र अपनाने की दिशा में अपना कदम बढाया। इसके तहत ग्रीष्मकालीन धान के बदले कम पानी वाली फसल की ओर अग्रसर होने लगे।

ऐसे ही जागरूक और संवेदनशील किसान हैं कुरूद विकासखण्ड के ग्राम चटौद निवासी नोमेन्द्र कुमार साहू। नोमेन्द्र बताते हैं कि वे अपने खेतों में पानी कम लगने वाले फसल लगाने के बारे में सोचा और गेंदे के फूल की खेती करने की मन में ठानी तथा इसके लिए उद्यानिकी विभाग से सलाह ली। इस पर उद्यानिकी विभाग द्वारा गेंदे के फूलों में लगने वाले लागत, फूलों की खेती करने के तरीके इत्यादि की जानकारी दी गई। नोमेन्द्र द्वारा अपने खेत में गेंदा (किस्म कलकतिया) की खेती ड्रिप पद्धति से पिछले तीन साल से की जा रही है। वर्ष 2024-25 में नोमेन्द्र साहू को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत गेंदा फूल क्षेत्र विस्तार अंतर्गत 8 हजार रूपये की अनुदान राशि प्रदाय की गई। उन्होंने बताया कि इसके पहले वे धान की खेती करते थे, जिसमें लागत अधिक था और पानी का खपत भी अधिक था। साथ ही देखभाल भी अधिक करना पड़ता था। इसके बाद वे उद्यानिकी विभाग से सम्पर्क किया और उद्यानिकी विभाग से नोमेन्द्र को ड्रिप अनुदान के रूप में प्रदाय किया गया। नोमेन्द्र कहते हैं कि गेंदे की खेती ऐसी है, जिसमें खेती के दो माह बाद से ही आमदनी मिलनी शुरू हो जाती है। उन्होंने बताया कि एक एकड़ गेंदे की खेती में लागत 50 हजार रूपये तक आता है, जबकि एक सीजन में ढाई से तीन लाख रूपये तक का गेंदे के फूल बेच सकते हैं। इस तरह एक एकड़ गेंदे के फूल की फसल में शुद्ध दो लाख रूपये तक की आमदनी हम प्राप्त कर सकते हैं। बाजार में फूलों की मांग काफी है, नोमेन्द्र के फूल ना केवल धमतरी जिले में बल्कि अभनपुर, नवापारा, राजिम इत्यादि में भी बिक्री होने जाता है।

फूलों का नाम आते ही खुशबू का अहसास और मन प्रसन्न होने लगता है, लेकिन जब इन्हीं फूलों की खेती की कमाई से आर्थिक लाभ होने लगे तो चेहरे पर खुशियों की मुस्कान बिखर जाती है। शासन द्वारा खेती-किसानी को माटीपुत्रों के लिए लाभ का व्यावसाय बनाने के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है, इन योजनाओं का लाभ लेकर प्रदेश के माटीपुत्र आर्थिक रूप से समृद्ध होने लगे हैं। गेंदे के फूलों की खेती करके इसे साबित किया है जिले के चटौद के किसान नोमेन्द्र कुमार साहू ने।

धान बेचकर किसानों के चेहरे में रौनक

बलरामपुर के किसान अशोक सरकार ने प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी महा अभियान जारी है। धान बेचकर किसानों के चेहरे में रौनक दिख रहा है। किसानों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से धान खरीदी के लिए धन्यवाद ज्ञापित किए हैं। धान खरीदी अभियान के इसी कड़ी में बलरामपुर जिला के ग्राम संतोषीनगर के किसान श्री अशोक सरकार ने बताया कि इस वर्ष 01 एकड़ खेत में धान का फसल लगाया था। उन्होंने पिछले सप्ताह धान बेचने के लिए टोकन लिया था। जिसके तहत आज वे अपना 45 बोरी धान बेचने समिति में आये हैं। किसान अशोक ने सुगमतापूर्वक धान खरीदी के राज्य सरकार को धन्यवाद दिया है।

किसान अशोक सरकार ने कहा कि शासन द्वारा धान खरीदी के लिए बनाई गई नीति से किसानों का मान बढ़ा है। किसान बिना किसी परेशानी के धान विक्रय कर पा रहे है। इसी प्रकार ग्राम संतोषीनगर के ही कृषक श्री विष्णु मण्डल बताया कि इस वर्ष वे 105 बोरी धान बेचने के लिए टोकन कटवाया है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा 31 सौ रुपए की दर से 21 क्विंटल धान की खरीदी होने से किसानों को बहुत संबल मिला है। उन्हें धान विक्रय करने में कोई परेशानी नहीं हुई। प्रशासन द्वारा उपार्जन केन्द्रों में किसानों के लिए शेड-पानी आदि आवश्यक समुचित व्यवस्था की गई है। किसान लखनलाल ने कहा कि वे सौभाग्यशाली हैं कि उनके 150 क्विंटल धान से राज्य सरकार के धान खरीदी का शुभारंभ बलरामपुर जिले में हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की बेहतर व्यवस्था से किसान खेती के लिए प्रेरित होकर समर्थन मूल्य पर धान बेच पा रहे है और किसान हमेशा उन्नति की ओर अग्रसर हो रहें हैं। धान उपार्जन केन्द्रों में शिकायत एवं निवारण के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया हैं।

राज्य स्तरीय भव्य पंथी नृत्य प्रतियोगिता नवागढ़ में होगी आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। परम पूज्य गुरूघासी दास बाबाजी के जयंती के उपलक्ष्य में आगामी माह दिसंबर में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय पंथी नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन बेमेतरा जिले के नवागढ़ में होगा। खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल की अध्यक्षता में गुरू घासीदास जी की जयंती और राज्य स्तरीय पंथी नृत्य प्रतियोगिता को आपसी प्रेम और सौहाद्रपूर्ण वातावरण में मनाने का निर्णय लिया गया। गौरतलब है कि पहले भी राज्य स्तरीय पंथी नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन नवागढ़ में किया जा चुका है, इस पंथी नृत्य को देखने छत्तीसगढ़ से ही नहीं देश के विभिन्न हिस्सों से लोग आते हैं।

श्री बघेल ने राज्य स्तरीय पंथी नृत्य प्रतियोगिता को लेकर आयोजित बैठक में कहा कि यह प्रतियोगिता तीन दिनों तक आयोजित की जाएगी। अभी से प्रदेश के पंथी नृत्यक दलों को आमंत्रण देने का कार्य प्रारंभ कर देना चाहिए। बैठक में प्रतियोगिता का स्वरूप, एवं आयोजन समिति, सुरक्षा समिति सहित अन्य व्यवस्था को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। श्री बघेल ने कहा कि कार्यक्रमों में समाज के प्रतिष्ठित लोगों के साथ-साथ अन्य समाज के प्रतिष्ठित लोगों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने आगामी माह दिसंबर में होने वाले पंथी प्रतियोगिता को भव्य स्वरूप में करने सबकी सहभागिता पर जोर दिया।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

रायपुर क्लर्क आत्महत्या मामले में बड़ा खुलासा, प्रेम प्रसंग में दी जान, तीन अफसरों पर लगे थे आरोप

रायपुर। रायपुर के चर्चित क्लर्क सुसाइड केस में बड़ा खुलासा हुआ है। तहसील कार्यालय के क्लर्क की मौत प्रेम प्रसंग में हुई थी। रायपुर पुलिस की जांच पूरी हो गयी है। रायपुर पुलिस ने मामले की जांच रिपोर्ट रायपुर कमिश्नर महादेव कांवरे को सौंप दी है। अब कमिश्नर की तरफ से रिपोर्ट राज्य सरकार को भेजी जायेगी।

दरअसल राज्य सरकार की तरफ से इस मामले में कमिश्नर को जांच का निर्देश दिया था। कमिश्नर ने इस मामले में लोगों से साक्ष्य भी मंगाये थे। मामले में एसएसपी संतोष सिंह ने बताया कि पुलिस की जांच में मौत की वजह प्रेम प्रसंग पायी गयी है। रायपुर एसएसपी संतोष सिंह ने कहा कि प्रेम प्रसंग चलते क्लर्क ने आत्महत्या की थी। पुलिस ने जांच में क्लर्क का प्रेम प्रसंग का साक्ष्य पाया है। पुलिस ने अन्य लोगों के मोबाइल चैट से भी इसके साक्ष्य मिला है। मृतक के परिजनों ने जांच में पुलिस को सहयोग नहीं किया था। अब पुलिस ने जांच प्रतिवेदन कमिश्नर को भेज दिया है। आपको बता दें कि क्लर्क प्रदीप उपाध्याय ने 28 अक्टूबर को फांसी लगाकर आत्महत्या की थी। सुसाइड नोट में 3 एडीएम स्तर के अधिकारियों पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया था।

तारपीन तेल व्यवसायी के सेल्समेन ने किया 25 लाख रुपये का गबन

कोरबा। शहर के एक तारपीन तेल के व्यवसायी को उसके सेल्समैन ने अपने सहयोगी के साथ मिलकर 25 लाख रुपये का चूना लगाया है। सेल्समैन ने भरोसे का बेजा फायदा उठाते हुए बाजार में बेचे गए तारपीन का पैसा खुद उठाकर न सिर्फ हड़प लिया, बल्कि चोरी-छिपे बड़ी मात्रा में तारपीन की बिक्री भी कर दिया। एसपी के संज्ञान लेने उपरांत पीड़ित मालिक की रिपोर्ट पर एफआइआर हुई है।

दुरपा रोड निवासी सुभाष गुप्ता जो कि फर्म टेक इंडस्ट्रीज का मालिक है, लेकिन उक्त फर्म का संचालन उसका बड़ा भाई सुनील गुप्ता कर रहा है। कुसमुंडा थाना के अंतर्गत एसईसीएल के छह नंबर बेरियर बरमपुर के पास अपने निजी जमीन पर विगत कई साल से फर्म संचालित है। सुनील गुप्ता ने मार्केटिंग कार्य के लिए अपने पूर्व परिचित धीरज अग्रवाल को सेल्समैन के रूप में रखा था। धीरज कुछ माह तक तो ईमानदारी से कार्य करता रहा।

फर्म का टर्नओवर बढ़ने लगा और तारपीन तेल का सेल्स मार्केट में बढ़ गया तब धीरज ने टेक इंडस्ट्रीज के द्वारा सप्लाई किए गए तारपीन (पेंट आयल) की राशि जो विभिन्न जिलों की दुकानों से प्राप्त हुई, उसमें से कुछ राशि तो संचालक को दिया और बाकी की राशि स्वयं और उसी फर्म में काम करने वाले भोला साहू के साथ मिलकर गबन कर लिया। कुछ दिनों के बाद जब संचालक को अपने गोदाम में स्टाक कम होने की जानकारी हुई, तो संचालक सुनील गुप्ता ने अपने स्तर पर पतासाजी किया। उसे कुछ दुकानदारों ने बताया कि तारपीन पेंट आयल की राशि धीरज को दे दिया है।

गोमांस पकाकर खा रहे 14 लोगों को पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ा, सभी को भेजा गया जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में गोमांस पकाकर खा रहे 14 लोगों को पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सभी एक घर में चोरी छिपे गाय को मारकर उसका मांस पका रहे थे। पुलिस को पक्की सूचना मिली तो उसने रेड की और मौके से 14 लोगों को गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 10 एवं BNS की धारा 325, 3(5) के तहत कार्रवाई की गई। मामला जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार एक दिन पहले रविवार को नारायणपुर पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि ग्राम बेहराखार में अशविन कुजूर के घर में गाय को क्रूरतापूर्वक काटकर उसका मांस पकाया जा रहा है। सूचना पर तत्काल थाना प्रभारी नारायणपुर उप निरीक्षक सतीश सोनवानी तत्काल स्टाफ के साथ मुखबिर के बताए घर पर रेड की। मौके पर पुलिस वहां कुल 14 लोग मिले जो गौवंश को धारदार हथियार से काटकर उसके अवशेष को एक बोरे में भरकर रखे थे। 5-5 किलो का मांस दो अलग-अलग कड़ाही में तैयार कर रखे हुये थे, तथा कुछ लोग खा रहे थे। उनके बगल में एक नग टांगी, 02 नग बैठी मिला जिसे पुलिस द्वारा जब्त किया गया।

यह आरोपी हुए गिरफ्तार

रोहित कुजूर उम्र 28 साल, संजय कुजूर उम्र 32 साल, अशविन कुजूर उम्र 32 साल, अनुरंजन कुजूर उम्र 25 साल,, दीप कुमार तिर्की उम्र 25 साल, बरथोलुयिस लकड़ा उम्र 50 साल, प्रकाश तिर्की उम्र 45 साल, पोलडेक लकड़ा उम्र 35 साल, रानू कूजूर उम्र 31 साल, अजमेस लकड़ा उम्र 25 साल, संदीप कुजूर उम्र 35 साल, तेलेस्फोर कुजूर उम्र 57 साल उपरोक्त सभी निवासी बेहराखार, नवीन मिंज उम्र 30 साल निवासी जुड़वाईन चौकी दोकड़ा थाना कांसाबेल व आषीष टोप्पो उम्र 28 साल निवासी जुड़वाईन चौकी दोकड़ा थाना कांसाबेल को गिरफ्ता कर जेल भेजा। उपरोक्त आरोपियों के संयुक्त कब्जे से 2 ढंका 10 किलो गौ-मांस, 1 टांगी, 2 नग बैठी, सफेद प्लास्टिक बोरा में गौ-वंश का अवशेष को जब्त किया गया है। उपरोक्त सभी आरोपियों के विरूद्ध अपराध सबूत पाये जाने पर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। इस पूरी कार्रवाई में उप निरीक्षक सतीश सोनवानी, उप निरीक्षक शिव कुमार यादव, एएसआई भिनसेंट टोप्पो, प्रधान आरक्षक अजय कुजूर, रंजीत खलखो, पूरन चंद पटेल, बल्थाजर तिग्गा, प्रदीप भगत, जीवन मसीह, नगर सैनिक विरेन्द्र भगत, ओमप्रकाश, अमित तिर्की का विशेष योगदान रहा है।

सरकारी जमीन में कब्जा कर खेती, फसल जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में जिले के धान उपार्जन केंद्रों में अवैध धान के आवक पर रोक लगाने प्रशासन द्वारा गम्भीरता से कार्य किया का रहा है। जिला प्रशासन द्वारा समितियों में विक्रय हेतु आने वाले धान की मॉनिटरिंग की जा रही है। सरकारी जमीन में अतिक्रमण कर खेती करने वालों के विरुद्ध निरंतर जब्ती की कार्यवाही की जा रही है।

इसी कड़ी में कोरबा तहसील के ग्राम दादरखुर्द में शासकीय भूमि में कब्जा कर फसल लेने वाले अतिक्रमणकारी प्रभाती लाल एवं पुरुषोत्तम घाडगे द्वारा 3-3 एकड़ राजस्व भूमि में कब्जा कर लिए गए धान के फसल को जब्त किया गया है। इसी प्रकार तहसील दर्री अंतर्गत अतिक्रामक नारद पटेल द्वारा 1 एकड़ में लगाए धान की फसल पर राजस्व विभाग द्वारा जब्ती की कार्यवाही की गई है। जिससे इस रकबे में लगे धान का समिति में पंजीकृत किसान के खाते से विक्रय ना हो पाए एवं पंजीकृत किसान अपने वास्तविक उपज को केंद्र में विक्रय कर सके।

अवैध रेत के परिवहन पर रोक लगाने की कड़ी में तहसीलदार दर्री, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी द्वारा ग्राम पंडरीपानी में रेत का अवैध परिवहन कर रहे ट्रेक्टर को जब्त कर थाना प्रभारी दर्री के अभीरक्षार्थ सुपुर्द किया गया।

एटीएम लूटने की कोशिश करने वाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बिलासपुर (ए.)। सरकंडा क्षेत्र में मोपका नया तालाब के पास स्थित बैंक आफइंडिया के एटीएम में तोड़फोड़ और चोरी के प्रयास के मामले में चौकी प्रभारी एसआइ रामनरेश यादव ने बताया कि सान्तेश मिश्रा ने 23 नवंबर को बैंक आफ इंडिया के एटीएम में तोड़फोड़ की शिकायत की थी। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इस दौरान आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिससे आरोपित की पहचान संजय ध्रुव (25) निवासी बिल्हा नवागांव के रूप में हुई। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। पहले तो वह गोलमोल जवाब दे रहा था।

थाने लाकर कड़ाई करने पर आरोपित ने बताया कि वह गांव से शहर मजदूरी करने आया था। वह मोपका में अपने भतीजे के साथ रहकर काम की तलाश कर रहा था। काम नहीं मिलने के कारण वह कबाड़ एकत्र कर गुजर बसर कर रहा था। इसी दौरान उसने एटीएम लूटने की योजना बनाई। उसने दो रात एटीएम के आसपास रेकी की। इसके बाद वह घर से कुल्हाड़ी लेकर आया।

तोड़फोड़ कर वह रकम निकालने में कामयाब नहीं हो सका। जिन कपड़ों से हुई पहचान उसे घर जाने से पहले जला दिया था मोपका चौकी प्रभारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज से आरोपित के कपड़ों की पहचान की गई। पूछताछ में पता चला कि आरोपित अपने भतीजे के जैकेट को पहनता था।

उसी को पहनकर वह एटीएम में घुसा था। पुलिस ने जब उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो बताया कि घर जाने के पहले उसने जैकेट को जला दिया था। इसके अलावा वह सुबह ही कबाड़ी के पास भी रुपये मांगने गया था। रुपये नहीं मिलने पर वह पैदल ही गांव चला गया।

दुकान पर कब्जा, विरोध करने पर रिटायर्ड टीचर से मारपीट

सिविल लाइन क्षेत्र के जरहाभाठा में दुकान में कब्जे को लेकर रिटायर्ड टीचर से मारपीट का मामला सामने आया है। मारपीट से घायल ने घटना की शिकायत सिविल लाइन थाने में की है। इस पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। तिफरा के रामा वर्ल्ड में रहने वाले सफी उल्ला खान रिटायर्ड टीचर हैं। उनका एक मकान जरहाभाठा मंदिर चौक के पास है। मकान के एक हिस्से को उन्होंने तीन साल पहले सरिता पंजवानी के पास बेच दिया। इसकी रजिस्ट्री भी हो चुकी है। बगल में ही उनकी कुछ जमीन है जिस पर दुकान बनी हुई है। दुकान पर सरिता पंजवानी के स्वजन ने कब्जा कर लिया है। रविवार को दुकान मालिक वहां पर आए। दुकान पर राहुल पंजवानी, रोहित और रोशन बैठे थे। उन्होंने अपनी दुकान से सामान हटाने के लिए कहा।

इसी बात को लेकर तीनों ने मिलकर रिटायर्ड टीचर से मारपीट की। साथ ही दुकान में आने पर जान से मारने की धमकी दी। मारपीट से घायल रिटायर्ड टीचर ने घटना की शिकायत सिविल लाइन थाने में की है। इस पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

बीच-बाजार में बदमाशों का पुलिस ने निकाला जुलूस

धमतरी (ए.)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में एयर पिस्टल व चाकू दिखाकर घर के अंदर घुसकर रुपये लूटने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपी धमतरी शहर के निवासी है। गिरफ्तार आरोपियों में से एक आरोपी को पूर्व में जिलाबदर भी किया जा चुका है। मुलाहिजा के लिए इन आरोपियों को अस्पताल ले जाते समय पुलिस वाहन रास्ते पर ही खराब हो गया, तो तीनों आरोपियों को शहर के मुख्य चौक पर पैदल मार्च कराते हुए कुछ दूरी तक गए, तो आरोपियों को सभी लोग देखते रहे। इस दौरान पुलिस ने आरोपियों से नारे भी लगवाए। बाद में दूसरे वाहन से आरोपियों को ले जाया गया।

दो दिन पहले लूट की वारदात को दिया था अंजाम

सिटी कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार धमतरी निवासी युनेश्वर सिन्हा के घर 23 नवंबर की रात करीब 10:45 बजे तीन अज्ञात व्यक्तियों ने घर का दरवाजा खटखटाया। उसने दरवाजा खोला तो तीन अज्ञात युवक उनके घर बेधड़क घुस गया। एक युवक हाथ पर कट्टा रखा था और दूसरा चाकू। दोनों हथियार दिखाकर उनसे एटीएम की मांग की। एटीएम नहीं होने की जानकारी देने पर युवकों ने धमकी देना शुरू कर दिया, तो आठ हजार रुपये उनसे लूटकर भाग निकले। 24 नवंबर को पीड़ित ने घटना की जानकारी थाने में दी और रिपोर्ट दर्ज कराई। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद पुलिस इसे गंभीरता से लेते हुए आरोपियों को पकड़ने जुट गई।

सिटी कोतवाली पुलिस व साइबर के अधिकारी व जवान घटना स्थल पर पहुंचे। आसपास मुआयना किया और बताए हुलिया व स्कूटी के आधार पर पुलिस ने शहर के ही संजय साहू उर्फ संजू, कृष्णा नायक उर्फ बिट्टू और नितिन ध्रुव को पकड़े। कड़ाई से पूछताछ करने पर युवकों ने जुर्म करना स्वीकार किया। वहीं सुनीलम होटल में दो नग मोबाइल फोन की चोरी करना भी स्वीकार किया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने नकदी, मोबाइल, एयर पिस्टल और चाकू, स्कूटी को जब्त किया। गिरफ्तार आरोपियों में संजय साहू उर्फ संजू 32 वर्ष लाल बगीचा खम्हन बाड़ी सुभाष नगर धमतरी, कृष्णा नायक उर्फ बिट्टू 26 वर्ष हटकेशर और नितिन ध्रुव 19 वर्ष टिकरापारा चर्च के पीछे गली धमतरी शामिल है।

अंबिकापुर के एसएलआरएम सेंटर में लगी भीषण आग

अंबिकापुर (ए.)। अंबिकापुर में नगर निगम क्षेत्र के दर्रीपारा में स्थित SLRM सेंटर में सोमवार शाम आग लग गई। देखते ही देखते आग पूरे SLRM सेंटर में फैल गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दो टीमों ने डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आगजनी में SLRM सेंटर में रखे रिक्शे सहित संग्रहित कचरा और शेड जल गए हैं। आगजनी में बड़ा नुकसान होने की आशंका है।

जानकारी के मुताबिक, नगर निगम के दर्रीपारा SLRM सेंटर में आगजनी की सूचना सेंटर का संचालन करने वाली दीदियों को लोगों ने दी। कुछ ही देर में आग पूरे SLRM सेंटर में फैल गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड की दो टीमें मौके पर पहुंची। बिजली चालू होने के कारण तत्काल आग बुझाने का काम शुरू नहीं हो सका। बिजली कट करने के बाद फायर ब्रिगेड की टीमों ने आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की गई। डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद SLRM सेंटर में आग पर काबू पा लिया गया।

आगजनी में SLRM सेंटर में रखे सभी सामान, कचरा कलेक्शन में उपयोग किए जाने वाले रिक्शे जल गए। SLRM सेंटर में कचरा संग्रहित कर उन्हें छांटकर अलग किया जाता है। बाद में उन्हें बेचा जाता है। आगजनी में प्लास्टिक के सामान आग की चपेट में आ गए, जिससे आग तेजी से फैल गई। आगजनी में नगर पालिक निगम द्वारा तैयार किए गए शेड को भी नुकसान पहुंचा है। आगजनी से बड़ा नुकसान हुआ है। नगर निगम क्षेत्र में SLRM व्यवस्था का संचालन महिला समूह के द्वारा किया जाता है। महिला समूह की अध्यक्ष शशिकला सिन्हा ने कहा कि अंधेरा हो जाने के कारण नुकसान का पता नहीं चल सका है। सुबह नुकसान का आकलन किया जाएगा। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग इतनी भयावह थी कि आसपास के क्षेत्र में धुएं का गुबार छा गया। सेंटर में भारी मात्रा में सामान भरे होने के कारण आग तेजी से फैली। अंबिकापुर कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। आशंका है कि शरारती तत्वों ने आग लगाई है।

एंबुलेंस में नहीं मिला ऑक्सीजन, मां व जुड़वां बच्चों की गई जान, परिजनों ने लगाये गंभीर आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले के करतला ब्लॉक के जोगीपाली गांव की एक महिला ने सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में जुड़वा बच्चों को जन्म दिया था। हालत बिगड़ने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया। लेकिन, रास्ते में ही तीनों की मौत हो गयी। परिजनों का आरोप एंबुलेंस में ऑक्सीजन की व्यवस्था नहीं थी। अगर ऑक्सीजन मिलता तो जच्चा-बच्चा की जान नहीं जाती।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार घर प्रसव होने के बाद मृतका कांति राठिया को करतला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया,जहां महिला ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। जच्च-बच्चा की तबीयत देखते हुए जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया। एंबुलेंस में सब कुछ सही था, तभी एकाएक महिला और उसके दोनों बच्चों की सेहत बिगड़ी और अस्पताल में उपचार मिल पाता उससे पहले की उनकी मौत हो गई। पति ने इस घटना को लेकर स्वास्थ्य महकमे पर सवाल उठाए है। मृतिका के पति बिहारी लाल राठिया ने बताया कि नॉर्मल डिलेवरी हुई थी, दो बच्चों को स्वस्थ जन्म देने के बाद उसे करतला स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां इलाज शुरू किया गया।

हालत बिगड़ने पर उसे जिला मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया रास्ते में वह बातचीत करते हुए आ रही थी अचानक ऑक्सीजन की कमी होने के चलते उसकी दिक्कतें बढ़ गई और उसकी मौत का कारण ऑक्सीजन नहीं होने के कारण ही हुई है।

शिक्षक की मिली लाश, हत्या की आशंका

बिलासपुर। रतनपुर के कसेर पारा में रहने वाले राजेंद्र कसेर(54) टीचर थे। उनकी पोस्टिंग पथरिया में थी। रविवार 24 नवंबर की रात वे कवि सम्मेलन में बिलासपुर पुलिस लाइन आए थे। रात करीब डेढ़ बजे वे अपने दो शिक्षक साथियों के साथ कार से रतनपुर आए। दोस्तों ने उन्हें घर के पास कार से उतार दिया।

इसके बाद वे पैदल ही घर जाने के लिए निकले। इधर रातभर शिक्षक अपने घर नहीं पहुंचे। सोमवार की सुबह उनका शव बिखमा तालाब के पास मिला। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना टीचर के स्वजन को दी। आसपास के लोगों ने पुलिस को इस संबंध में बताया। स्वजन के साथ ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। टीचर के चेहरे और सीने में चोट के निशान थे। इसे देख स्वजन ने हत्या की आशंका व्यक्त की। इधर पुलिस ने पंचनामा के बाद शव का पीएम कराया है। इसकी रिपोर्ट से टीचर के मौत का कारण स्पष्ट होगा।

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक निर्माण विभाग बालोद संभाग, बालोद
// निविदा आमंत्रण सूचना //

क्रमांक– 5822 /व.ले.लि./NIT- 07 /2024–25/बालोद   दिनांक :– 22/11/2024

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :–29/11/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :– 06/12/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :– 09/12/2024 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटीक्र. निविदा क्र.	कार्यका नाम/ NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत(रू.लाख में) अमानत राशि बैंक साल्वेंसी
1	2	3
07 T0041	अनुविभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत शासकीय शहीद कौशल यादव महाविधालय गुण्डरदेही में सायकल स्टैण्ड का कार्य	18.63 13995.00 279900.00
07 T0042	अनुविभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत व्यवहार न्यायालय भवनं गुण्डरदेही के सामने डी.जी. शेड, मालखान रूम शेड, अधिवक्ता कक्ष शेड, लोक सेवा केन्द्र तथा कार पार्किंग निर्माण तथा न्यायिक अधिकारी हेतु पृथक से विश्राम कक्ष एवं महिला पक्षकारों हेतु पृथक से कक्ष निर्माण कार्य।	17.57 13178.00 263550.00

नियम व शर्ते :–

1) पंजीयन की छायाप्रति 2) पेन कार्ड की छायाप्रति 3) जी.एस.टी. प्रमाण पत्र की छायाप्रति 4) श्रमिक पंजीयन/ ई.पी.एफ. पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित छायाप्रति (राजपत्रित अधिकारी/ नोटरी द्वारा) 5) निविदाकारों की श्रेणी ''द'' से ''अ'' निविदा प्रपत्र की कीमत राशि रू. 750.00 एवं कार्य की अवधि टी–0033 हेतु ''02 माह '' एवं टी–0034 हेतु ''03 माह'' होगी। 5) निविदा प्रपत्र के साथ Annexure-1, Annexure-2 & Annexure-3 फार्म भरना अनिवार्य होगा नही भरे जाने पर आपका निविदा प्रपत्र निरस्त किया जावेगा। (प्रपत्र संलग्न)

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. बालोद, संभाग बालोद

जी-242504038/4

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

डबल इंजन की सरकार में तेज रफ्तार से चल रही है छत्तीसगढ़ में विकास की रेल : विष्णुदेव साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि डबल इंजन की सरकार में छत्तीसगढ़ में अब तेज रफ्तार से विकास की रेल चल रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कल रायपुर से बिलासपुर तक की अपनी ट्रेन यात्रा के दौरान छत्तीसगढ़ के तेजी से विकास के संकल्प को पुनः दोहराया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पिछले 10 सालों में रेलवे के क्षेत्र में जो सकारात्मक बदलाव हुए, इसने न केवल यात्री सुविधाएं बढ़ी हैं, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिली है। उन्होंने कहा रेलवे के आधुनिकीकरण से रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। रेलवे नेटवर्क के विस्तार से ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों को बड़े शहरों से जोड़ा जा रहा है, जिससे व्यापार और पर्यटन को प्रोत्साहन मिल रहा है।

हाई-स्पीड ट्रेनों ने यात्रा समय को घटाया

मुख्यमंत्री ने कहा कि वंदे भारत, तेजस और गतिमान जैसी हाई-स्पीड ट्रेनों ने यात्रा समय को काफी घटा दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेलवे के अधिकारियों ने उन्हें बताया कि आधुनिक ट्रेनों में वातानुकूलित डिब्बे, आरामदायक सीटें, वाई-फाई, ऑनबोर्ड कैटरिंग सुविधा मिल रही है। स्टेशन अब आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं, जिसने यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाया है। उन्होंने कहा कि ई-टिकटिंग और डिजिटल भुगतान ने बुकिंग प्रक्रिया को सरल और तेज बना दिया है। सौर ऊर्जा और बायो-टॉयलेट जैसी पहल पर्यावरण को संरक्षित करने में मदद कर रही हैं। भारतीय रेलवे अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स और ऑटोमेशन जैसे आधुनिक तकनीकी उपायों के उपयोग की ओर आगे बढ़ रहा है, ताकि दक्षता और सेवा की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

आर्थिक तरक्की के लिए रेल परिवहन आवश्यक

इस चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार की मंशा है कि प्रदेश की आर्थिक तरक्की के लिए रेल परिवहन के समुचित उपयोग की ओर तेजी से आगे बढ़ा जाए। इसी क्रम में केंद्र सरकार के सहयोग से कई रेल परियोजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है और कई ऐसी परियोजनाएं हैं, जिनको विस्तार दिए जाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा है कि डोंगरगढ़-कवर्धा-कटघोरा रेल लाइन परियोजना के लिए रेल मंत्रालय से मंजूरी मिल चुकी है। यह परियोजना लगभग 295 किलोमीटर लंबी होगी और इसकी अनुमानित लागत 4021 करोड़ रुपये है। इस रेल लाइन का निर्माण छत्तीसगढ़ रेलवे कॉरपोरेशन द्वारा किया जाएगा। वर्तमान में भूमि अधिग्रहण और प्रारंभिक निर्माण कार्यों के लिए 300 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस रेल लाइन में डोंगरगढ़ से कवर्धा के बीच 12 और कवर्धा से कटघोरा के बीच 15 स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा। यह परियोजना न केवल क्षेत्र में यात्री सुविधा बढ़ाएगी बल्कि खनिजों के परिवहन और रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करेगी।

कई नई रेल परियोजनाओं को मंजूरी

उन्होंने कहा कि हाल ही में भारत सरकार और रेल मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ में कई नई रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनका उद्देश्य राज्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और कनेक्टिविटी बढ़ाना है। कोरबा-अंबिकापुर नई रेल लाइन 180 किलोमीटर लंबी परियोजना है, जिसके सर्वेक्षण और डीपीआर के लिए 16.75 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह परियोजना सरगुजा क्षेत्र में विकास को गति देगी। उसी प्रकार गढ़चिरौली-बीजापुर-बचेली तक 490 किलोमीटर लंबी रेल लाइन के सर्वेक्षण के लिए 12.25 करोड़ रुपये मंजूर हुए हैं। यह परियोजना सुदूर क्षेत्रों को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों से जोड़ने में मदद करेगी। सरडेगा-भालुमुडा डबल लाइन 37 किलोमीटर लंबी परियोजना ओडिशा और छत्तीसगढ़ के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी। इस परियोजना के लिए 1360 करोड़ रुपये का प्रावधान है।छत्तीसगढ़ में अम्बिकापुर-बरवाडीह, खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा, रावघाट-जगदलपुर और धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा रेल परियोजनाओं का डीपीआर तैयार हो रहा है। धरमजयगढ़-लोहरदगा परियोजना के लिए रेलवे द्वारा किए जा रहे सर्वेक्षण का काम अंतिम चरण में है।

छोटी रेल लाइन और मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये परियोजनाएं न केवल यात्री कनेक्टिविटी को बढ़ाएंगी, बल्कि औद्योगिक और खनिज संसाधनों के परिवहन को भी सुगम बनाएंगी। इनके अलावा, राज्य में कई अन्य छोटी रेल लाइन और मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाएं भी योजना में हैं, जो क्षेत्रीय विकास और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करेंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में जहां-जहां रेल परिवहन की आवश्यकता महसूस की जाएगी, उस दिशा में तेजी से पहल की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस यात्रा से मुझे बहुत कुछ जानने समझने का सुंदर अवसर मिला था। हम यात्रियों की सुविधाएं बढ़ाने और उनके समस्याओं के समाधान की दिशा में केंद्र सरकार के सहयोग से आवश्यक कदम उठाएंगे।

राजधानी रायपुर के 850 श्रद्धालु अयोध्या के लिए रवाना, मंत्री टंकराम ने दिखाई हरी झंडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर शुरू की गई श्री रामलला दर्शन योजना के तहत चलाई जा रही विशेष ट्रेन आज रायपुर रेल्वे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-07 से रवाना हुई।

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। इस विशेष ट्रेन से 850 श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। इस दौरान खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

श्री रामलला दर्शन यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। श्रद्धालुगण भगवान राम का जय-जयकार करते हुए अयोध्या धाम के लिए निकले हैं। ट्रेन में श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए भक्तिमय माहौल में श्री रामलला के दर्शन को जा रहे हैं। रामलला दर्शन के लिए जाने वाले दर्शनार्थियों ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने श्री रामलला दर्शन के लिए योजना की शुरूआत की है।

अयोध्या के दर्शन हम जैसे लोगों के लिए असंभव था, लेकिन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर आज हमें अयोध्या में श्री रामलला के दर्शन संभव हुआ है। अयोध्या धाम की यात्रा को लेकर हमें बहुत खुशी हो रही है। अयोध्या में श्री रामलला के भव्य और सुंदर मंदिर बनाए गए है। यात्रा के दौरान हम सभी को काशी विश्वनाथ जी के दर्शन का लाभ भी प्राप्त होगा।

2019 के पहले रजिस्टर्ड वाहनों पर अब एचएसआरपी चिन्ह लगाना अनिवार्य

छत्तीसगढ़ में मेसर्स रीयल मेजॉन और रोजमेर्टा सेफ्टी एचएसआरपी चिन्ह लगाने अधिकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अप्रैल 2019 के पूर्व पंजीकृत सभी श्रेणी के मोटर वाहनों पर वाहन स्वामी द्वारा 120 दिवस के भीतर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रीकरण चिन्ह (एचएसआरपी) लगवाया जाना अनिवार्य किया गया है। इस संबंध में परिवहन विभाग द्वारा दो वेंडर क्रमशः मेसर्स रीयल मेजॉन इंडिया लिमिटेड और रोसमर्टा सेफ्टी सिस्टम लिमिटेड को निर्धारित दर पर एचएसआरपी चिन्ह लगाने के लिए अधिकृत किया गया है।

परिवहन आयुक्त एस प्रकाश ने इस संबंध में सोमवार को महानदी मंत्रालय भवन में बैठक लेकर सभी जिलों के आरटीओ को निर्देश दिया है। बैठक में अतिरिक्त परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर, उक्त परिवहन आयुक्त मनोज ध्रुव, उप परिवहन आयुक्त युगेश्वरी वर्मा, एआरटीओ वायवी श्रीनिवास, वरिष्ठ वैज्ञानिक अमित देवांगन, एनआईसी कंपनी प्रतिनिधि मुकेश मल्होत्रा चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, मेसर्स रोसमर्टा सेफ्टी सिस्टम लिमि विश्वजीत मुखर्जी, डायरेक्टर मेसर्स रियल मेजॉन इंडिया लिमि कौशल नियाज एवं अनुराग चौधरी उपस्थित थे।

आरटीओ कार्यालयों को दो जोन में बांटा गया

परिवहन विभाग द्वारा समस्त आरटीओ कार्यालयों को जोन-ए और जोन-बी में बांटा गया है। जोन-ए के अंतर्गत शामिल आरटीओ कार्यालयों में अप्रैल 2019 से पूर्व पंजीकृत वाहनों में एचएसआरपी चिन्ह लगाने की जिम्मेदारी मेसर्स रियल मेजॉन इंडिया लिमिटेड को दी गई है। जोन-ए के अंतर्गत गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर, बलरामपुर, सूरजपुर, कोण्डागांव, मुंगेली, बेमेतरा, कवर्धा, कोरबा, जांजगीर-चांपा, बिलासपुर एवं रायपुर आरटीओ कार्यालय शामिल हैं। इसी तरह जोन-बी के अंतर्गत आरटीओ कार्यालय रायगढ़, गरियाबंद, जशपुर, धमतरी, बलौदाबाजार, महासमुंद, राजनांदगांव, बालोद, दुर्ग, दंतेवाड़ा, कांकेर, अम्बिकापुर, बैकुण्ठपुर, जदलपुर में पंजीकृत वाहनों पर एचएसआरपी चिन्ह लगाने की जिम्मेदारी मेसर्स रोसमर्टा सेफ्टी सिस्टम लिमिटेड को सौंपी गई है। उक्त दोनों कम्पनियां निर्धारित दर पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाएंगी।

जानिए क्या है निर्धारित दर

टू-व्हीलर मोटर सायकिल, स्कूटर, मोपेड के अलावा ट्रैक्टर, पॉवर टीलर एवं ट्रेलर पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाने के लिए जीएसटी सहित 365.80 रुपए, 3-व्हीलर के लिए 427.16 रुपए, लाईट मोटर व्हीकल व पैसेंजर कार के लिए 656.08 रुपए एवं 705.64 रूपए की दर निर्धारित की गई है। सभी भुगतान केवल डिजिटल मोड के माध्यम से किए जाएंगे। आटोमोबाइल डीलरों द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में 01 अप्रैल 2019 के पूर्व पंजीकृत मोटरवाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रीकरण चिन्ह (आवश्यक तीसरी पंजीकरण प्लेट सहित) प्रत्येक इंस्टालेशन के लिए 100 रुपए अतिरिक्त चार्ज के साथ लगाया जाएगा। घर पहुंच सेवा के लिए अतिरिक्त राशि देनी होगी।

सर्वोच्च न्यायालय ने जारी किया है दिशा निर्देश

गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रीकरण चिन्ह के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों, केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम 1988 एवं केन्द्रीय मोटरयान नियम 1989 के प्रावधानों, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के परिपालन में छत्तीसगढ़ राज्य में अप्रैल 2019 के पूर्व पंजीकृत प्रत्येक वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रीकरण चिन्ह लगवाए जाने के संबंध में आदेश जारी किया जा चुका है।

नियम पालन नहीं होने पर लगेगा जुर्माना

हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रीकरण चिन्ह हेतु जारी निर्देशों का पालन नहीं होने पर केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम एवं नियमों के अनुसार जुर्माना किया जाएगा। मोटरयान अधिनियम 1988 में दिये गये प्रावधान अंतर्गत दिए गए पेनाल्टी से बचने के लिए केन्द्रीय मोटरयान नियम 1989 के नियम 50 के तहत नकली हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रीकरण चिन्ह समान दिखने वाली प्लेटे/स्मार्ट नंबर प्लेट जैसे होलोग्राम/इंडिया मार्क/इंडिया शिलालेख आदि से लैस सड़क पर चलने वाले वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रीकरण चिन्ह प्लेट से बदलना होगा अनिवार्य होगा। अनाधिकृत रूप से हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रीकरण चिन्ह की बिकी और आपूर्ति करते पाए जाने वाले डीलरों या अन्य व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जावेगी। आम नागरिकों की सुविधा हेतु हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रीकरण चिन्ह आवेदन की प्रक्रिया वेबसाईट में उपलब्ध होगी।

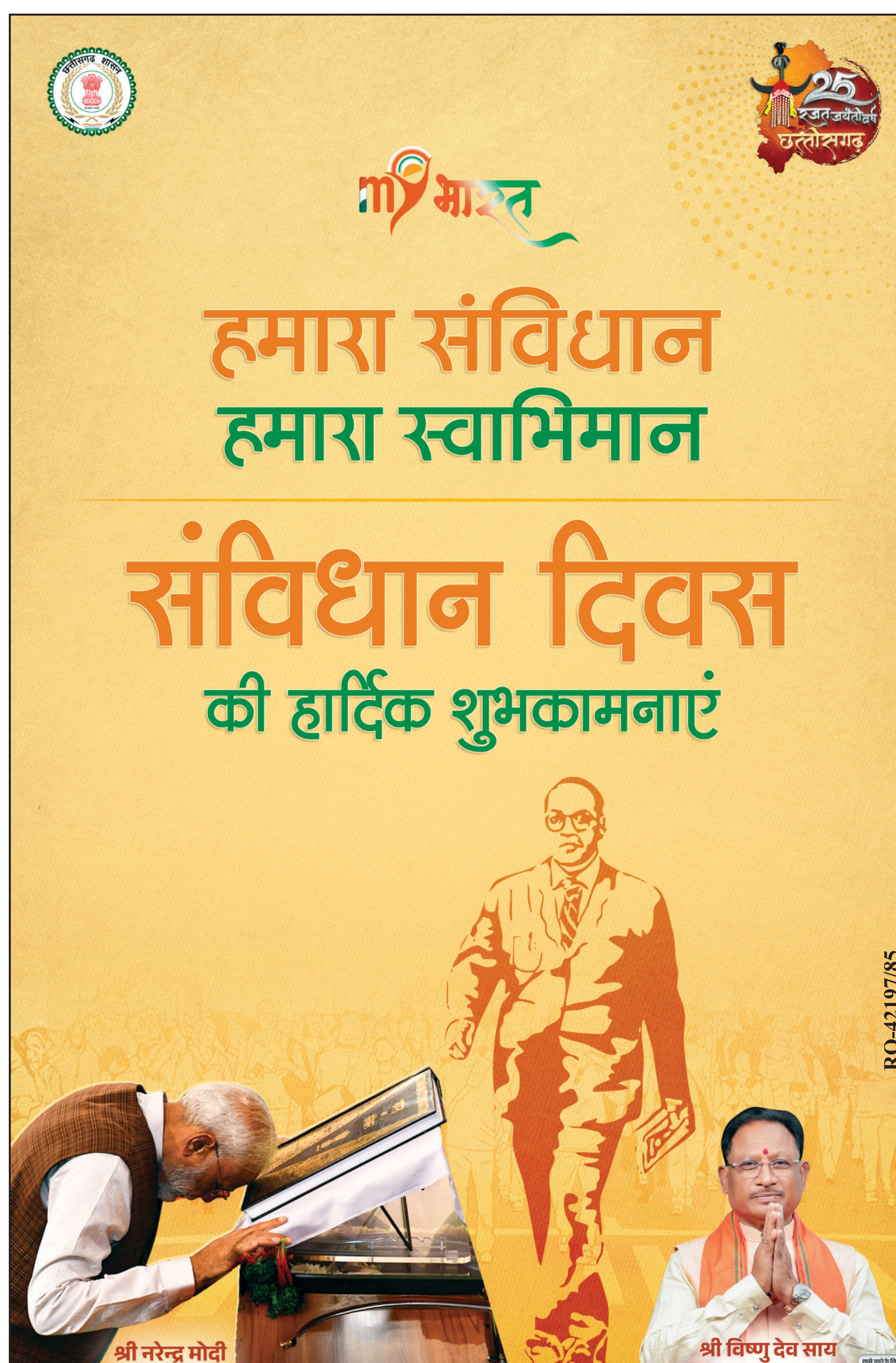

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950